देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 254 । भोपाल, गुरुवार 14 सितंबर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

पेट्रोकैमिकल कॉम्प्लेक्स और 10 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे

मोदी आज बीना आएंगे, 50 हजार करोड़ से अधिक की सौगातें देंगे

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 सितम्बर को एक बार फिर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। श्री मोदी बीना रिफाइनरी में पेट्रोकैमिकल कॉम्प्लेक्स और राज्य भर में दस नई औद्योगिक परियोजनाओं सहित 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक की सौगातें देंगे। प्रधानमंत्री बीना रिफाइनरी में पेट्रोकैमिकल परिसर का शिलान्यास करेंगे। साथ ही वे बीना से ही नर्मदापुरम में विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र और रतलाम में मेगा औद्योगिक पार्क की आधारशिला रखेंगे। इंदौर में दो आईटी पार्क और राज्य भर में छह नए औद्योगिक पार्क की आधारशिला भी रखेंगे।

मुख्यमंत्री ने तैयारियों का लिया जायजा, कहा-

नया इतिहास रचेगा

सागर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 14 सितंबर बीना की पावन धरा पर एक नया इतिहास रचेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज सागर जिले के बीना रिफाइनरी परिसर में 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट के शिलान्यास की तैयारियों का अवलोकन कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पेट्रो केमिकल प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में अब तक का एक स्थान पर आया हुआ सबसे बड़ा निवेश है। रूपये 50 हजार करोड़ के इस निवेश के साथ ही एक लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रदेश के अलग-अलग स्थान पर होंगे, जिससे 2 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इस प्रोजेक्ट से प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष रूप से 2.15 लाख

और शेष 2 लाख को मिलाकर 4 लाख 15 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह, सहकारिता, लोक प्रबंधन मंत्री और सागर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक महेश राय, गौरव सिरोठिया सहित अनेक जन-प्रतिनिधियों के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा, आदेश जारी

लाड़ली बहनों को साढ़े 4 सौ रुपए में मिलेगा गैस सिलेंडर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा पर अमल करते हुए प्रदेश सरकार ने लाड़ली बहनों को साढ़े 4 सौ रुपए में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाने के संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिए हैं। इस योजना से जहां उज्जवला योजना के अंतर्गत पंजीकृत 82 लाख उपभोक्ताओं के अलावा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में पंजीकृत लगभग 15 लाख (एलपीजी कनेक्शनधारी) महिलाएं इस योजना की हितग्राही होंगी। इस तरह तकरीबन 97 लाख लाड़ली बहनें इस योजना से लाभांवित होंगी। यह रियायत माह में सिर्फ 1 सिलेंडर भरवाने वालों को ही मिलेगी।

योजना का लाभ लेने के लिए पहले गैस एजेंसी को सिलेंडर भरवाते समय पूरी कीमत का भुगतान करना होगा। उसके बाद केंद्र सरकार के अनुदान और राज्य द्वारा निर्धारित विक्रय दर को कम करने के बाद आए अंतर की राशि हितग्राही के आधार से लिंक खाते में बतौर अनुदान अंतरित कर दी जाएगी। योजना के लिए वही बहनें पात्र होंगी, जिनके नाम से गैस कनेक्शन होगा। योजना के

पंजीकृत हितग्राहियों की जानकारी 25 सितंबर से पोर्टल पर प्रदर्शित होगी।

पोर्टल पर होगा पंजीयन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के पोर्टल पर ऐसी बहनों का पंजीयन किया जाएगा, जिनके नाम पर कनेक्शन है। इसमें प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की लाभार्थी भी हो सकती हैं। इस योजना का लाभ 4 जुलाई से 31 अगस्त तक गैस सिलेंडर भरवाने वाले प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को भी अनुदान की राशि इस प्रक्रिया से दिया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन उन सभी केंद्रों पर होगा, जहां लाड़ली बहना योजना का पंजीयन होता है। इसके लिए उपभोक्ता को नंबर और कनेक्शन आइडी देनी होगी।

कलेक्टर रखेंगे नजर

योजना का क्रियान्वयन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग करेगा, जिसकी निगरानी कलेक्टर करेंगे। इसके अलावा राज्य स्तर पर विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में निगरानी समिति बनाई जाएगी, जिसमें आयल कंपनी के कर्मचारी भी रहेंगे। हितग्राहियों के पंजीयन कार्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के कर्मचारियों की सहायता से किया जाएगा। इसके अलावा हितग्राहियों को अनुदान अथवा अन्य कोई परेशानी आने पर उसके निराकरण के लिए ऑनलाईन व्यवस्था बनाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रक्षाबंधन से पहले भोपाल में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में घोषणा की थी कि सावन में जिन लाड़ली बहनों ने रसोई गैस सिलेंडर भरवाए हैं, उन्हें साढ़े 4 सौ रुपए का अनुदान दिया जाएगा। इसे विस्तार देते हुए अब यह व्यवस्था कर दी गई है कि एक सितंबर से प्रधानमंत्री उज्जवला और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में पंजीकृत वे महिलाएं, जिनके नाम से रसोई गैस कनेक्शन हैं, उन्हें साढ़े 4 सौ रुपए में रसोई गैस उपलब्ध कराई जाएगी।

मामूली विवाद में खूनी संघर्ष, 5 की मौत

आधा दर्जन घायल, अस्पताल में भर्ती

दतिया, देशबन्धु। मामूली विवाद के बाद 2 पक्ष के बीच हुई गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटना बुधवार सुबह सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम रेंडा में घटी।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने ग्रामीणों के हवाले से बताया कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम रेंडा में 2 दिन पहले प्रकाश दांगी के परिवार का गांव के ही प्रीतम पाल के परिवार से धान के खेत में मवेशी घुस जाने को लेकर विवाद हुआ था। बताया गया कि इस विवाद के बाद दोनों पक्षों की तरफ से थाना सिविल लाईन में आवेदन भी दिया गया था। जिसके पुलिस ने दोनों पक्षों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की थी। इस विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से गांव के बुर्जुगों की मौजूदगी में पंचायत बुलाई गई थी। जिसमें मामला सुलझने की बजाय और उलझ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, बात यहां तक बढ़ी की दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गोलीबारी शुरू कर दी। तकरीबन आधा घंटे तक चली इस गोलीबारी में पिता-पुत्र सहित 5 लोगों की जान चली गई। गोली लगने से प्रकाश दांगी पुत्र भैयालाल, उसके पुत्र सुरेंद्र दांगी और भाई रामनरेश दांगी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे पक्ष से राजेंद्र पाल पुत्र प्रीतम पाल और राघवेंद्र पाल पुत्र ठाकुर दास पाल की मौत घटना में हो गई। वहीं इस घटना में ज्ञान सिंह पुत्र लालाराम पाल, ठाकुरदास पुत्र रामचरण पाल, मुकेश पुत्र सिरनाम पाल सहित आधा दर्जन घायलों को भी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है, इनमें से 2 की हालत नाजुक बताई गई है।

गृहमंत्री ने दिए दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश

दतिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक और प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने घटना के सिलसिले में पुलिस के आला अधिकारियों से जानकारी ली, इसके साथ ही उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने इस मामले में दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने 11 को कुचला, मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर में बुधवार सुबह एक भयावह घटना में एक तेज रफ्तार ट्रक से कुचलकर 11 लोगों की मौत ह गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

हादसा सुबह करीब 5:30 बजे लखनपुर थाना क्षेत्र के आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे-21 पर हंतारा के पास उस समय हुआ जब एक खराब हो चुकी बस के यात्री नीचे बस के पास खड़े थे। बस में 45 से अधिक लोग थे और कुछ लोग खराबी की जांच करने के लिए ड्राइवर और हेल्पर के साथ नीचे उतरे। मृतकों में छह महिलाएं शामिल हैं।

एक दर्जन हुए घायल

पुलिस ने बताया कि सभी मृतक गुजरात के भावनगर के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, बस भावनगर से मथुरा होते हुए हरिद्वार जा रही थी और भरतपुर-आगरा हाईवे पर अचानक खराब हो गई। चालक और उसके साथी के साथ कुछ यात्री भी बस से उतर गए। ड्राइवर और उसके साथी फॉल्ट चेक कर रहे थे तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और किनारे खड़े लोगों को कुचल दिया। वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों के चालकों ने पुलिस और एम्बुलेंस को फोन किया। शवों को भरतपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि टक्कर किस वाहन की वजह से हुई। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

सार समाचार

स्व. शोभा संघवी की चतुर्थ पुण्य स्मृति में लगा नेत्र शिविर

गुना, देशबन्धु। लायंस नेत्र चिकित्सालय में स्व- शोभा संघवी की चतुर्थ पुण्य स्मृति पर नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द चयन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ स्व- श्रीमती संघवी के भाई प्रदीप लोढ़ा, पुत्र संजय संघवी, सुरेन्द्र संघवी, नीता संघवी, पोते अक्षय संघवी, मित्रगण नितिन जैन, संजीव जैन, ललित नामदेव द्वारा चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित चेयरमेन आलोक अग्रवाल, अमरजीत सलूजा एवं समस्त अस्पताल स्टॉफ द्वारा स्व- श्रीमती संघवी को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर में 166 मरीजों का परीक्षण कर 35 मरीजों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। जिनके ऑपरेशन निःशुल्क किए।

आरोन पहुंची बजरंगदल की शौर्य यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

गुना, देशबन्धु। वीर शहीदों को याद करने एवं धर्म का प्रसार प्रचार करने के उद्देश्य से बजरंग दल द्वारा शौर्य जागरण यात्रा निकाली जा रही है। मुरैना से शुरू हुई यह यात्रा गत रात को आरोन में पहुंची। यहां पर शहरोक खंड के कार्यकर्ताओं ने जोर शोर से स्वागत किया। यहां से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने वाहन रैली के साथ नगर में प्रवेश किया। नगर में जगह-जगह श्री रामदरबार रथ यात्रा का पुष्प मालाओं के साथ स्वागत किया गया। यात्रा मुख्य बाजार से होते हुए सभा स्थल पहुंची। जहां सभा का संचालन आचार्य पद्धति के साथ प्रखंड मंत्री सौरभ रजक द्वारा कराया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विहिप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज वर्मा ने शहीदों के शौर्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर हिंदू को अपनी शक्ति का जागरण करना चाहिए और हमारे वीर शहीदों को याद करना चाहिए। जिन्होंने अपने देश राष्ट्र के लिए बलिदान दे दिया है और हमें भी राष्ट्र के लिए शहीदों से प्रेरित होकर राष्ट्र धर्म संस्कृति के लिए हमेशा तत्पर खड़े रहना चाहिए। सभा के समापन के तत्पश्चात बरखेड़ा हाट में पहुंची। जहां कार्यकर्ताओं ने यात्रा का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

धरना स्थल पहुंचे जयवर्धन, दिया पटवारियों की हड़ताल को समर्थन,बोले

सरकार बनी तो मंत्रिमंडल की पहली बैठक में पूरी होंगी पटवारियों की मांगें

गुना, देशबन्धु। पिछले एक पखवाड़े से चली आ रही पटवारियों की हड़ताल को राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने समर्थन देते हुए धरना स्थल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तहसील परिसर में चल रही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे पटवारियों के बीच ऐलान किया कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो पहली ही केबिनेट बैठक में कर्मचारियों की मांगें पूरी की जाएंगी। पूर्व मंत्री ने विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश के संविदा कर्मचारियों को भी धीरे-धीरे नियमित किए जाने का दावा है। विधायक श्री सिंह ने पटवारियों को आश्वासन दिया कि सरकार बनने के बाद पहली बैठक में पटवारियों की ग्रेड पे और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को पूरा कर दिया जाएगा। इस मौके पर पटवारी संघ द्वारा जयवर्धन सिंह को ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसमें अपनी विभिन्न मांगो से उन्हे अवगत कराया गया। पटवारियों ने ज्ञापन के माध्याम से मुख्य रूप से वेतनमान की मांग उठाते हुए बताया कि पटवारियों को वर्ष 1998 में निर्धारित किए गए वेतनमान के अनुसार ही वर्तमान वर्ष 2023 में वेतन दिया जा रहा है। पिछले 25 वर्षों से इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। पटवारियों ने 2800 ग्रेड पे करने की मांग की। वहीं सापेक्ष समयमान वेतन देने, पटवारियों को पदोन्नति देने एवं आवश्यक संसाधन उपलध कराने की मांग की गई। उल्लेखनीय है कि अपनी इन तमाम मांगों को लेकर प्रदेश भर के पटवारी 28 अगस्त से कलमबंद हड़ताल पर डटे हुए हैं।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए विधायक श्री सिंह विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा को लेकर उम्मीद जताई है कि आने वाले 15 दिनों के भीतर पहली सूची सामने आ सकती है। हालांकि उन्होंने भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवारों के नामों को लेकर पार्टी में ही विरोध के स्वर उठने का दावा किया है। जयवर्धन सिंह ने चांचौड़ा, छतरपुर और देवास का हवाला देते हुए कहाकि जहां-जहां भाजपा ने उम्मीदवार घोषित किए हैं, उनका मूल कार्यकर्ता नाराज नजर आ रहा है।

शहर में लगे 350 से भी अधिक कैमरे

पुलिस अधीक्षक ने किया सीसीटीवी लगवाने वाले जनभागीदारों को सम्मानित

गुना, देशबन्धु। शहर में करीबन 5 सौ से भी अधिक सीसीटीव्ही कैमरों से पुलिस द्वारा शहर की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। बुधवार को शहर में सीसीटीव्ही कैमरे लगवाने वाले जनभागीदारों का पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। दरअसल शहर के हर नागरिक को सुरक्षा मुहैया कराने, अपराधों पर अंकुश लगाने और आपराधिक प्रवृत्ति के अपराधियों की धर-पकड़ के उद्देश्य से गुना शहर में आत्याधुनिक डिजिटल कैमरों से सुजज्जित सीसीटीव्ही कंट्रोल रूम की स्थापना 18 मई 2019 को की गई थी। पुलिस द्वारा शहर में सीसीटीव्ही कैमरे लगवाकर शहर की गतिविधियों पर नजरे बनाए रखने एवं इन कैमरों से अपराधों के खुलासे में मदद मिलने से जिलेवासियों द्वारा पुलिस के इस कार्य की सराहना की गई और कई समाजसेवियों द्वारा आगे आकर सीसीटीव्ही कैमरे लगवानें में आर्थिक सहयोग प्रदाय किया गया। अब तक जनभागीदारी के माध्यम से करीबन 350 से भी अधिक सीसीटीव्ही कैमरे गुना शहर के विभिन्न स्थानों बस स्टेंड, होटल, लॉज, मॉल, स्कूल, मंदिर, मस्जिद, विभिन्न प्रतिष्ठानों पर लगाकर सीसीटीव्ही कंट्रोल से जोड़ा गया है। साथ ही शहर में लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों को साउंड सिस्टम से भी जोड़ा गया है। जिससे सीसीटीव्ही कंट्रोल से ही समय-समय पर एनाउंसमेंट कर लोगों को हिदायतें भी दी जाती हैं। शहर में लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों से पुलिस को विभिन्न अपराधों को सुलझाने में काफी सफलताएं मिल रही है। जनभागीदारी योजना के तहत शहर में सीसीटीव्ही कैमरे लगवाने वाले जनभागीदार सदस्यों के उत्साहवर्धन हेतु गुना पुलिस की ओर से समय-समय पर उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाता आ रहा है। इसी क्रम में बुधवार को एसपी राकेश कुमार सगर द्वारा सीसीटीव्ही लगवाने वाले 14 और जनभागीदारों को अपने कार्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। जिनमें मनीष कृष्णानी, डॉ एनके साहू, डॉ. राजेन्द्र भाटी, योगेश शर्मा, नरेन्द्र जाटव, मान सिंह भदौरिया, चंदन अरोरा, राजन अरोरा, राजेन्द्र जैन, सुकमल जैन, धर्मेन्द्र कुमार जैन एवं निर्मल राठौर को एसपी की ओर से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर पीए टू एसपी निरीक्षक अनिल साहू, कोतवाली टीआई अनूप कुमार भार्गव, कैंट थाना टीआई पंकज त्यागी, सीसीटीव्ही कंट्रोल प्रभारी भूपेन्द्र सेंगर सहित सीसीटीव्ही कंट्रोल स्टॉफ मौजूद रहा ।

गौशालाएं होने के बावजूद भी आवारा घूम रहा गौवंश, फसलों को कर रहे चट

बरखेड़ागिर्द के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

गुना, देशबन्धु। ग्राम पंचायत बरखेड़ागिर्द सहित अन्य गांवों में आवारा मवेशियों के चलते खेतों में खड़ी खरीफ की फसलें संकट में हैं। गांव-गांव गौशाला होने के बावजूद गांवों में बड़ी संख्या में गौवंश जहां-तहां घूमकर फसलों को नष्ट कर रहा है। बरखेड़ागिर्द के दर्जनों किसानों ने इस संबंध में कलेक्टर को आवेदन देकर उक्त मवेशियों को गौशाला में शिफ्ट करने की मांग की है। ताकि किसानों की फसल नष्ट होने से बच सके। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बरखेड़ादिर्ग में शासकीय गौशाला होने के बावजूद बड़ी संख्या में आवारा पशु घूम रहे हैं जो किसी भी किसान के खेत में घुसकर, वहां की संपूर्ण फसल को एक ही बार में चट कर जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार बरखेड़ागिर्द गौशाला में वर्तमान में 100 मवेशी हैं। जबकि ग्राम पंचायत की उक्त गौशाला का क्षेत्रफल इतना बड़ा है कि यहां 500 मवेशी आ सकते हैं। यही नहीं सभी ग्रामवासियों ने मिलकर पर्याप्त भूसा भी गौशाला में रख दिया है। लेकिन उसके बाद भी ग्राम के मुखिया द्वारा आवारा गायों को गौशाला में प्रवेश नहीं करने दिया जाता है। जिससे ग्राम के किसान भारी परेशान हैं। क्योंकि पशु लगातार फसलों को नष्ट कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से तत्काल गौवंश को गौशाला में रखने की मांग की है।

चोरी की मोटर सायकिल से कर रहे थे अवैध शराब की तस्करी, गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। राघौगढ़ पुलिस द्वारा चोरी की मोटर साइकिल पर अवैध शराब की तस्करी करते हुए तस्कर को दबोचा है। आरोपी द्वारा गत माह फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम हमीरपुर से तस्करी में प्रयुक्त मोटर साइकिल को चोरी किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति रामनगर तरफ से मोटर साइकिल क्रमांक एमपी08-8606 पर दो प्लास्टिक की केनों में कच्ची शराब लेकर राघौगढ तरफ आ रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस ने रामनगर रोड ग्राम कडैया पहुंचकर वाहन चैकिंग लगाई गई। जहां पर कुछ ही समय बाद मुखबिर के बताए हुलिए की मोटरसाइकिल व व्यक्ति के आते दिखाई देने पर पुलिस द्वारा उक्त मोटरसाइकिल को रोक लिया गया। जिसके चालक ने पूछताछ पर अपना नाम बंटी पुत्र शंकरलाल सहरिया निवासी ग्राम गणेशपुरा थाना बमौरी का होना बताया। जिसके पास से पुलिस ने दो कैनों में 80 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त कर आबकारी एक्ट में कार्रवाई की।

चांचौड़ा जन आशीर्वाद यात्रा में 17 को आएंगे असम मुख्यमंत्री हिमंता

गुना, देशबन्धु। चांचौड़ा विधानसभा क्षेत्र में 17 सितंबर को जन आशीर्वाद यात्रा आएंगी। जिसमें भाजपा के फायरब्रांड नेता असम मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा मुख्य रूप से शामिल होंगे। इस मौके पर सीएम श्री शर्मा चांचौड़ा भाजपा प्रत्याशी प्रियंका पैंची के समर्थन जन आशीर्वाद यात्रा के रूप में रैली करेंगे। यह यात्रा दोपहर 3 बजे खटकिया में प्रवेश करेगी। यहां से 3:30 बजे कुंभराज, 4 बीनागंज एवं 6:30 बजे मधुसूदनगढ़ पहुंचेगी। भाजपा प्रत्याशी प्रियंका पैंची ने बताया कि असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री रविवार को भाजपा द्वारा आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होंगे। इस मौके पर सीएम श्री शर्मा हेलीकॉप्टर से बीनागंज पहुंचेंगे। तत्पश्चात वह जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होकर भाजपा सरकार की उपलब्धियां और भाजपा प्रत्याशी का प्रचार करेंगे। इधर चांचौड़ा भाजपा प्रत्याशी प्रियंका पैंची का लगातार जनसंपर्क जारी है।

वह विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर व्यक्तिश- चर्चा कर रही हैं। वहीं भाजपा द्वारा आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर पिछले काफी दिनों से भाजपाजन तैयारियों में जुटे हैं। असम सीएम के दौरे के मद्देनजर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रूपरेखा बनाई।

अवैध शराब के साथ पकड़ा गया तस्कर

गुना, देशबन्धु। धरनावदा पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय बॉर्डर नाका चैकिंग के दौरान पकड़ा 70 लीटर अवैध शराब के साथ आरोपी पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात को पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के अंतर्राज्यीय बॉर्डर नाका ग्राम लक्ष्मणपुरा पॉईन्ट पर वाहन चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान राजस्थान के मोतीपुरा तरफ से बिना नंबर की एक मोटर सायकिल आते हुये दिखाई दी। जिसके दोनों तरफ प्लास्टिक की बड़ी-बड़ी दो केंने लटकी हुई थी। पुलिस द्वारा उक्त मोटर सायकिल को रोकने पर उसके चालक द्वारा पुलिस से बचकर भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस फोर्स द्वारा जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। जिसने पूछताछ पर अपना नाम रामस्वरुप पुत्र कल्याण सहरिया निवासी नाथूपुरा, रूठियाई थाना धरनावदा का होना बताया। तलाशी लेने पर दो केनों में 70 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

विरोध प्रदर्शन : मांगों पर अडिग पटवारियों ने किया रक्तदान

सीहोर देशबनधु। शासन का ध्यान आकर्षित कराने के लिए उद्देश्य से पटवारियों ने बुधवार को अनूठा विरोध प्रदर्शन किया है। पटवारियों ने तहसील कार्यालय में शिविर का आयोजन कर रक्तदान किया और शासन का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास किया। यह आयोजन जिला मुख्यालय के तहसील कार्यालय में हुआ है। वेतन विसंगति सहित अन्य मांगों को लेकर 28 अगस्त से पटवारी हड़ताल पर हैं। 16 दिन भी पटवारियों की हड़ताल जारी रही। यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश पटवारी संघ के आव्हान पर जिला मुख्यालय और श्यामपुर ब्लॉक में किया गया। इस दौरान 72 यूनिट रक्तदान किया गया। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष संजय राठौर नेतृत्व में शिविर में 72 यूनिट रक्तदान किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार यदि उनकी मांगों का निराकरण नहीं करती है तो बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बताया गया कि बुधवार को पूर्व विधायक रमेश सक्सेना और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोरा ने भी धरना स्थल पर आकर अपना समर्थन दिया। इसके अलावा मंगलवार को बड़ी संख्या में याचिका लेखकों ने भी समर्थन देकर कलमबंद हड़ताल की थी।

ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

गुना, देशबन्धु। जिले के कुंभराज थानांतर्गत ग्राम रामनगर लोधापुरा निवासी महिला ने अपने पति सहित सास, ससुर, जेठ, जेठानी पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी भूरी बाई की शादी सोनू लोधा निवासी रामनगर लोधापुरा से डेढ़ वर्ष पूर्व हुई थी। शादी के वक्त महिला के पिता ने शादी में अपनी हैसियत के हिसाब से दहेज दिया था। लेकिन ससुराल वाले शादी के कुछ दिन बाद ही उसे दहेज के लिए ताने देने लगे। उसकी सास बादाम बाई, ससुर ओमप्रकाश, जेठ नरेन्द्र एवं जेठानी शोभाबाई तथा पति सोनू लोधा आए दिन दहेज के लिए मारपीट करते थे। गत दिवस भी ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसके साथ मारपीट की। पीड़ित महिला ने अपने पिता और भाई के साथ कुंभराज थाने पहुंचकर आरोपियों पर दहेज प्रताडना का मामला दर्ज कराया है।

एक साल बाद भी अभी तक नहीं मिली छात्रवृत्ति

कॉलेज प्राचार्य को दिया ज्ञापन देकर दी आंदोलन की चेतावनी

आष्टा, देशबन्धु। एनएसयूआई छात्र नेता विजय सोलंकी का नेतृत्व में कालेज के विद्यार्थियों को शासन की ओर से मिलने वाली छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिल सकी है। जिसे एक साल से अधिक का समय हो चुका है। इसे लेकर बुधवार को एनएसयूआई ने छात्र छात्राओं के साथ शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन देकर छात्रवृत्ति की मांग की गई। एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष यशवंत मालवीय ने बताया कि शासकीय और अशासकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रण छात्राओं को पिछले सत्र की राशि छात्रवृत्ति अभी तक नही मिली । छात्रवृत्ति की राशि छः महीने के अंदर देने का प्रावधान है, लेकिन प्रथम वर्ष की एक साल से अधिक समय होने पर भी छात्रवृत्ति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। जबकि अगले सत्र के एडमिशन फार्म भी प्रारंभ हो गये है। इसको लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शुभम निखिल कुशवाह , देवेंद्र सोलंकी, कीर्तन कुशवाहा, शुभम, रितिक मालवीय अरुण बकोरिया, रविन्द्र, कृपाल मालवीय आदि अनेक छात्रगण उपस्थित थे ।

जनसमस्याओं को लेकर पार्षद प्रतिनिधि ने दिया ज्ञापन

आष्टा, देशबन्धु। पार्षद प्रतिनिधि शेख रईस ने एक दिन का धरना न्यू बस स्टैंड नगरपलिका के सामने दिया गया। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। यह धरना गरीबो की समस्याओं को लेकर दिया गया। शेख रईस द्वारा गरीबों की समस्याओं को लेकर अनुविभागीय अधिकारी को एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम दिया गया। जिसमें वृद्धा ,विकलांग, विधवा पेंशन 6 सौ रुपए से बढ़कर 1 हजार रुपये करने, बिजली के 1 किलोवाट के घरेलू कनेक्शन वाले बिल बकाया राशि माफ की जाए। इसी प्रकार उन्होंने अन्य मांगों का भी जिक्र किया। एक दिवसीय धरने में बलबहादुर सिंह भगत, पार्षद भैया मियां,पूर्व नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि विनीत सिंगी, भैयालाल बागेर, सुनील सेठी, सौभाल सिंह मुगली,भैया एमपी, इदरीस मंसूरी, रशीद नेता, ओंकारसिह ठाकुर, ठाकुर प्रसाद वर्मा, पूर्व पार्षद बाबूलाल मालवीय, पूर्व पार्षद सोहेल मिर्जा, शेख नईम, मोहम्मद इमरान,महेश वर्मा, पूर्व पार्षद सलीम अंसारी, शेख असलम, शेख यासीन, ओम नामदेव, डॉ ओपी वर्मा मौजूद रहे।

स्वावलंबी भारत अभियान : कॉलेज में हुई गोष्ठी

सीहोर देशबन्धु। स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा उद्यमिता पखवाडे के अंतर्गत स्थित चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय पीजी कॉलेज में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कालेज में हुए इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में स्वावलंबी भारत अभियान विदिशा के तरूण यादव मौजूद रहे।

उन्होंने कहा की भारत विश्व का सर्वाधिक युवाओं वाला देश है। हमारे देश के युवा आज विदेशों में बहुत अच्छे-अच्छे पदों पर नौकरी कर रहे है। तो क्यूं हम भी खुद अपने देश में अपना खुद का नया व्यपार करें। इसी दौरान वक्ता के रूप में स्वावलंबी भारत के विभाग संगठक हेमंत रावत ने कहा कि पूर्व से ही हमारा देश रोजगार युक्त रहा है। हमारी देव भाषा संस्कृत में भी बेरोजगार शब्द ही नहीं है। इससे पता चलता है कि हमारे देश में कोई भी बेरोजगार नहीं रहा होगा। वहीं जिले के जिला संमन्वयक विनित दुबे ने कहां कि हमारे देश में खेती करने के दौरान फसल कटने के बाद बचे भूसे का भी उपयोग किया जा सकता है। आज की बात करें तो गोबर से बने कंडे भी ऑन लाईन बिक रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीहोर के पूर्णकालिक सदस्य जितेन्द्र राठौर, विशाल यादव प्रोफेसर गोविंद मसूरे सहित कॉलेज के प्रोफेसर सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

गुना, देशबन्धु। जिले के कुंभराज थानांतर्गत गायत्री कॉलोनी में घर के बाहर खड़ी मोटर सायकिल को अज्ञात चोर ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी हेमराज पुत्र फूलसिंह मीना ने बताया कि उसने अपनी मोटर साईकिल क्रमांक एमपी 08 एमपी 8774 को रात करीब 9-30 बजे अपने मकान के सामने गायत्री कालोनी कुंभराज में रखकर घर के अंदर चला गया था। थोड़ी देर बाद जब वह बाहर आया तो मोटर साईकिल गायब थी। कोई अज्ञात चोर बाईक को ले गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोर पर मामला दर्ज किया है।

पति-पत्नी ने एक कमरे में फांसी लगाकर की खुदकुशी

चार साल पहले हुई थी शादी बच्चे नहीं होने से थे दुखी, होता था विवाद

भोपाल, देशबन्धु। सूखीसेवनिया थाना इलाके में रहने वाले पति और पत्नी ने बुधवार को एक ही कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने शाम को शव देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। देर शाम मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।और पोस्टमार्टम मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि नरेश गौड़ पुत्र गोटीलाल गौड़ उम्र 36 वर्ष पिपरिया जाहिरपीर गांव का निवासी था। वह टाउन एन्ड कंट्री प्लानिंग के एक अधिकारी की कार चलाता था। चार साल पहले उसकी शादी गीता ठाकुर से हुई थी। लेकिन अब तक दोनों की कोई संतान नहीं थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद भी होता था। बताया गया है कि बुधवार दोपहर किसी वक्त दोनों ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। देर शाम को परिजनों ने दोनों के शव को उनके कमरे में फंदे पर लटका हुआ देखा, जिसके बाद में पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लिए। तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाए गए। पुलिस के मुताबिक मौके की तलाशी में फिलहाल कोई पत्र प्रारंभिक तौर पर खुदकुशी का कारण संतान नहीं होने से दुखी होना सामने आ रहा है। मामले की अन्य बिन्दुओं पर भी जांच की जाएगी।

आर्थिक तंगी से परेशान ऑटो चालक ने फांसी लगाई

पत्नी के मायके जाने के बाद उठाया कदम

भोपाल, देशबन्धु। खजूरी सड़क इलाके में रहने वाले एक ऑटो चालक ने अपने घर में पत्नी की साड़ी से फंदा बांध कर फांसी लगा ली। वह सात बच्चों का पिता था और आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। घटना के वक्त उसकी पत्नी मायके गई थी। पुलिस का कहना है घटना स्थल से कोई पत्र नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी नीरज वर्मा ने बताया कि भौंरी बंगला खजूरी सड़क निवासी शंकर प्रजापति पुत्र बाबू लाल प्रजापति उम्र 38 वर्ष ऑटो चलाने का काम करता था। उसने मंगलवार की शाम को शेड के पाइप से पत्नी की साड़ी का फंदा बांधकर फांसी लगा ली। घटना का खुलासा देर शाम उस वक्त हुआ जब शंकर की बुआ रामकली बाई उसके घर पहुंची। इसके बाद परिजनों ने फंदा काट कर उसे नीचे उतारा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिनजों ने घटना की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल में रखवा दिया था। बुधवार दोपहर को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना स्थल से कोई पत्र नहीं मिला है। इससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। परिजनों के विस्तृत बयानों में आत्महत्या के कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है।

घर खर्च को लेकर रहते थे परेशान

मृतक के साले कपिल ने बताया कि जीजा शंकर सीएनजी वाले ऑटो को चलाने का काम करते थे। उनकी शादी को 18 साल बीत चुके थे। उनकी 6 बेटी सलोनी, भावना,बिट्टी,सुहानी कामनी व निशी और इकलौता बेटा वीर है। पिछले कुछ समय से जीजा आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। घर खर्च को लेकर ही दीदी और जीजा में मामूली कहासुनी होती थी। मंगलवार सुबह दीदी निम्मा बच्चों के साथ इस्लाम नगर स्थित मायके आ गई थी। इस दौरान जीजा घर में अकेले थे। वह काम पर भी नहीं गए और शाम को उनकी आत्महत्या की जानकारी मिली।

माखनलाल पत्रकारिता विवि का दीक्षांत समारोह कल

नए परिसर का लोकार्पण होगा

भोपाल, देशबन्धु। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 15 सितंबर को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के बिशनखेड़ी स्थित नए परिसर का भी लोकार्पण होगा। कुलपति प्रो.(डॉ)केजी सुरेश ने पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह है। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। जबकि विश्वविद्यालय की महापरिषद के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ल विशेष अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे।

कुलपति प्रो. सुरेश ने बताया कि दीक्षांत समारोह में जून 2018 से दिसंबर 2022 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएगी, जिसमें स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के 23 विद्यार्थियों सहित लगभग साढ़े चार सौ विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएगी। प्रो. सुरेश ने बताया कि विश्वविद्यालय को इंडिया टुडे पत्रिका एवं द वीक द्वारा देश की टॉप-10 उत्कृष्ट विश्वविद्यालय की सूची में शामिल किया गया है, जो कि विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय देश का पहला मीडिया विश्वव्द्यिालय है, जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपने विश्वविद्यालय में सबसे पहले लागू किया था।

5 दैवेभो कर्मियों को किया स्थाई

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने बुधवार को 5 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर दिया। मंडल के कमिश्नर चंद्रमौली शुक्ला के आदेश पर दैनिक वेतन भोगी कंछेदीलाल कोष्टा(जबलपुर), हाकिम सिंह, रामेश्वर पाल, बलजीत सिंह, एवं रज्जू बालमीक को स्थाई कर्मी श्रेणीकरण एवं विनियमित वेतनमान श्रेणी में शामिल किया गया। मंडल की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्रीमति बिदिशा मुखर्जी ने मंडल मुख्यालय में इन कर्मचारियों को आदेश सौंपा। इस अवसर पर कर्मचारी संघ अध्यक्ष बलवंत सिंह रघुवंशी, घनश्याम गुप्ता, उमेश तिवारी उमाकांत बाथम, राजेन्द्र शर्मा राजू उपस्थित रहे।

नेपाली जनसंपर्क समिति ने लगाया रक्तदान शिविर

भोपाल, देशबन्धु। नेपाली जनसंपर्क समिति मध्यभारत क्षेत्र की क्षेत्रीय समिति द्वारा हमीदिया हॉस्पिटल में श्री महामानव बी.पी. कोईराला की 110वीं जन्मजयंती के अवसर पर 2 दिवसीय रक्तदान शिविर एवं खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर समिति के केन्द्रीय महामंत्री जगन्नाथ पौडेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे, केंद्रीय उपाध्यक्ष लीलामणी पाण्डे, महासचिव युबराज अर्याल, केंद्रीय सदस्य दामोदर बेलबासे डोलराज गैरे, यमलाल घीमिरे, संगठन सचिव यकराज वशयाल एवं रामनाथ अधिकारी के सदस्य महिला श्रीमती जमुना घिमीरे, श्रीमती इन्दिरा शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

युवा संसद प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण में विस के प्रमुख सचिव बोले

युवा लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल्यों के प्रति जागरुक बनें

भोपाल, देशबन्धु। आमजन खासकर युवा, लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल्यों के प्रति जितने जागरुक होंगे संसदीय लोकतंत्र उतना मज़बूत होगा। यह बात मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कही। श्री सिंह मध्यप्रदेश प्रेस क्लब और रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता पुरुष्कार समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। श्री सिंह ने इस दौरान संसद और विधान मंडलों की विधायी प्रक्रिया और निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला, वहीं युवाओं से अपनी ऊर्जा लक्ष्य पर केंद्रित करने तथा अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन करने और संसदीय व्यवस्था में बढ़कर भाग लेने का आव्हान किया। कार्यक्रम के अंत में श्री सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रो. कुलपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स के साथ महाविद्यालयों की विजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी गब्बर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में टैगोर विश्वविद्यालय की कुलपति के अलावा मध्यप्रदेश प्रेस क्लब के संयुक्त सचिव अजय प्रताप सिंह, डॉ. भावना भदौरिया, प्राध्यापक,डॉ. विजय सिंह, वि.वि रजिस्ट्रार, एम के राजोरिया अवर सचिव संसदीय कार्य विभाग, अनिल कुमार, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन, डॉ. मनीष यादव, प्राध्यापक विधि विश्वविद्यालय सहित विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकगण के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

एलएनसीटी कालेज में बीएमए के स्टूडेन्ट चेप्टर का शुभारम्भ

भोपाल, देशबन्धु। एलएनसीटी कालेज में भोपाल मेनेजमेंट एसोसिएशन (बीएमए) ने स्टूडेन्ट चेप्टर का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में आर जी द्विवेदी, अध्यक्ष, आयोजन समिति, बीएमए, प्रेरक वक्ता महेंद्र जोषी, कार्यकारी सदस्य, बीएमए एंव डॉ अरविंद सिंह, निदेशक, एलएनसीटी ग्रुप आफ कालेज ने उदबोधन दे कर छात्रों का मनोबल बढाया। स्टूडेन्ट चेप्टर का मुख्य उददेश्य विद्यार्थीयों को बीएमए के सहयोग से व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करना और छात्रों का कौशल का विकास करना है। कार्यक्रम में बीएमए मासिक समाचार पत्र प्रबंधन संमवाद की संपादकीय टीम एलएनसीटी छात्र उत्कर्ष गुप्ता, रोशनी धोते, अरीबा फ़िरदौस, एंव पूजा गुप्ता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को सदस्यता प्रमाणपत्र भी दिये गये। कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र-छात्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अदया तिवारी एंव सममव्य बीएमए के प्रबंधक आमिर खान एंव एलएनसीटी एमबीए की छात्रा काव्या दुबे ने किया।

LNCT GROUP OF COLLEGES
Email: Lnctbhopal@Lnct.ac.in
Web www.Lnct.ac.in
Admission through Institutional Preference Seats (IPS)
Lakshmi Narain College of Technology, Bhopal
BE(CSE/CSE(AIML)/CSE
(IOT and Cyber Security Including Block Chain Technology)/AIDS)
Lakshmi Narain College of Technology & Science, Bhopal
BE(CSE/CSE(AIML)
Lakshmi Narain College of Technology Excellence, Bhopal
BE(CSE/CSE(DS)/CSE(AIML)
Counseling for above seats will be held on 14, 15 September, 2023
Eligibility : As per DTE norms
Note: Counseling will be held as per DTE norms. Desirous students should report to the college along with all original documents and full fees. Under IPS quota, candidate can't be allowed to change colleges in entire duration of course.
Venue : LNCT campus kalchuri Nagar Raisen Road , Bhopal
Mob. : +91-9752466688

दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। पुलिस ने एक वाहन चोर गिरोह को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चुराई गई चार मोटर साइकिलें भी बरामद की हैं, जिनकी कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ में अन्य वाहन चोरियों के बारे में भी जानकारी मिल सकती है। दरअसल मिसरोद में लगातार वाहन चोरी हो रहे थे। इसको लेकर आला अधिकारियों ने वाहन चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इस पर मिसरोद थाने की तीन पुलिस टीमें बनाकर वाहन चोरों की तलाश में लगाई थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि संदिग्ध वाहन चोर नर्मदापुरम रोड आशिमा माल के पास देखे गए हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर उनको पकड़ा। थाने लाकर उनसे पूछताछ की तो उनकी पहचान गौरव गौर और आकाश शर्मा के रूप में हुई। दोनों मंडीदीप, जिला रायसेन के रहने वाले हैं। वे यहां वाहन चोरी करने के बाद वापस मंडीदीप लौट जाते थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह चोरी के वाहन मंडीदीप में ही रहने वाले आरिफ साह उर्फ गोल्डी को बेच दिया करते थे। उसे भी पुलिस ने मंडीदीप से गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, सागर

क्र./नामा. शा./न.नि./2023/37 सागर दिनांक 12/09/2023

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिये गये भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। अतः इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अंदर आयुक्त नगर पालिक के सागर नाम पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयतनामा/ दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1.	761/23-24	जवाहरगंज	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	कैलाशचन्द पिता शीतलचन्द जैन	अन्जू पति नीलेश केशरवानी
2.	762/23-24	अम्बेडकर	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा नकल	नीलेश पिता आनंद मंगल पटैरिया	अशोक पिता स्व. शंकरलाल अग्रवाल
3.	763/23-24	अम्बेडकर	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा नकल	मेसर्स नमन एण्ड कुलदीप कन्स्ट्रक्शन	नरेश पिता रामदास पटेल
4.	764/23-24	बरियाघाट	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र	स्व. सुदामा प्रसाद पिता रामचन्द भोंसले	विमला बेवा सुदामा एवं सचिन, साधना, सुमति पिता स्व. सुदामा प्रसाद भौसंले
5.	765/23-24	शिवाजी	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	संजय पिता कैलाशचन्द कण्डया	सुनीता पति राजकुमार जैन
6.	766/23-24	बल्लभनगर	मृत्यु- प्रमाण पत्र, शपथ पत्र आधार कार्ड	स्व. मोहनलाल पिता स्व. पर्वतलाल रैकवार	राजेश, तुलसीराम, बृजेश एवं कमलेश पिता स्व. मोहनलाल, कल्पना, रानीबाई, सुलोचना, मधु एवं प्रियंका पुत्रीयां स्व. मोहनलाल एवं राधारानी पति स्व. मोहनलाल रैकवार
7.	767/23-24	सूबेदार	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा, टैक्स रसीद	जन्मजय प्राप.एण्ड डेव्ल. द्वारा पार्ट अरविन्द साहू	साधना पति मुकेश जैन
8.	768/23-24	बाघराज	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	ममता पति हरिप्रसाद पटैल	प्रियंका पति बृजेन्द्र अहिरवार
9.	769/23-24	चकराघाट	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	बसन्ती बेवा जगदीश प्रसाद, मयंक एवं वरूण पिता स्व. जगदीश, अंजुदेवी बेवा राममनोहर एवं शयंक, तरूण पिता स्व. राममनोहर सराफ	विनीता पति आशीष सोनी
10.	770/23-24	संतकबीर	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	नरेन्द्र, रोहित एवं उपेश पिता स्व. घनश्याम कोरी	तेजसिंह पिता किशनचन्द साहू

कृते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, सागर

कान्हा गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या, भोपाल

(पंजीयन क्रमांक/डी.आर.बी./ 504, दिनांक 04 .11.1986)

वार्षिक साधारण सभा की सूचना

संस्था के समस्त सम्मानीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 27.09.2023 दिन बुधवार को सुबह 10:00 बजे स्थान- कान्हा गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित की ग्राम मिसरोद स्थित कालोनी कान्हा नगर पर आयोजित की गई है जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। संस्था के समस्त सदस्यों को इस सूचना प्रकाशन के अलावा भी साधारण डाक द्वारा पृथक से सूचना पत्र प्रेषित किये जा चुके है। समस्त सम्मानीय सदस्यों से संस्था का अनुरोध है कि समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करायें एवं संस्था कार्यालय में अपना दूरभाष एवं मोबाईल नम्बर अनिवार्यता से नोट करायें।

अध्यक्ष
कान्हा गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, जिला-भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद नागदा, जिला उज्जैन

क्रमांक : एफ/राजस्व/2023/ नागदा दि. ...../09/2023

विज्ञप्ति सूचना

इस सूचना द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित विवरण के भवन/भूमि के स्वामित्वों/उत्तराधिकारी की ओर से आवेदन पत्र इस कार्यालय में म.प्र. न.पा.अधिनियम 1961 की धारा 150 (1) (2) (3) के अनुसार नामांकन की सूचना प्राप्त होने के फलस्वरूप धारा 151 के तहत कार्यवाही की जाना है। अत: जिस किसी को नाम किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति के प्रकाशन के दिनांक से 30 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति लिखित रूप से मय दस्तावेज के प्रस्तुत करें अन्यथा अवधि समाप्ति के पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी:-

क्र.	मोहल्ले का नाम	वर्तमान न.पा. रिकार्ड में दर्ज	हस्तांतरणकर्ता का नाम	भवन/भूमि जिसके नाम होना है	नामांकन चाहे जाने का आधार
1	नागदा खाचरौद बायपास रोड के अंदर	निरंक	गोवर्धनलाल-गंगाराम	हीरालाल-लक्ष्मण जी श्यामुबाई-हीरालाल	रजि/भवन
2	दुर्गापुरा	निरंक	रज्जू-लालाराम	जगदीश-पशुपतिनाथ	रजि/भवन
3	93 एल.आई.जी.	कृष्णदेव-विन्ध्यांचल मिश्रा	कृष्णदेव-विंध्याचल मिश्रा	सुधीर-कृष्णदेव मिश्रा	रजि/भवन 93
4	अमला रोड	मीना-राजेन्द्र सिंह	रामचन्द्र-टूबर तिवारी	मीना-राजेन्द्र सिंह	रजि/भवन
5	महात्मा गांधी मार्ग	जुगलकिशोर, नवल किशोर पिता बाबुलाल	जुगलकिशोर, नवल किशोर पिता बाबुलाल	आशीष-नंदकिशोर	रजि/भवन
6	56 ब्लाक	कचरू जी-बुद्धा जी	कचरू जी-बुद्धा जी	चुन्नीलाल-गंगाराम शारदाबाई-चुन्नीलाल	रजि/भवन
7	चंबल मार्ग	रणछोड़लाल-दौलतराम	रणछोड़लाल-दौलतराम	रामप्रसाद-स्व. रणछोड़लाल अन्नपूर्णा-स्व. अशोक बद्रीनारायण, दीपक पिता स्व. मांगीलाल	मृत्यु प्र.पत्र शपथ पत्र,/प्लाट
8	जवाहर मार्ग गली नं. 01	ईश्वरलाल-रामचन्द्र	ईश्वरलाल-रामचन्द्र	साधना-स्व. ईश्वरलाल	मृत्यु प्र. पत्र शपथ पत्र/भवन
9	जूना नागदा शिवपुरा टावर से नीचे	आसिफ अली-सैयद रहमत अली	आसिफ अली-सैयद रहमत अली	अब्दुल रजाक-अब्दुल हनीफ	रजि/भवन
10	प्रकाश नगर गली नं. 01	शांतिबाई-रामचन्द्र	शांतिबाई-रामचन्द्र	संतोष सिंह-रामचन्द्र साधना-स्व. यशवंत सिंह	मृत्यु प्र. पत्र शपथ पत्र/भवन
11	साकेत कॉ अमला रोड	मो. फारूख-नूर मो.	मो. फारूख -नूर मो.	रमाकांत-सोनु भागवत	रजि/प्लाट
12	इंगोरिया रोड के पीछे	निरंक	अमित-हरीशचन्द्र	आशा-किशोर, किशोर-गणपतलाल	
13	बायपास अंजनी नगर के पास	निरंक	मोहन सिंह, अमर सिंह, लक्ष्मण सिंह आदि पिता बापुलाल	गौतम जैन-समरथमल जैन	रजि/प्लाट
14	अमला रोड	कविता-श्यामसुंदर	कविता-श्यामसुंदर	पुष्पादेवी-मिश्रीलाल सुमित-मिश्रीलाल	रजि./प्लाट
15	अंजनी नगर के पास	सादिक-शाकीर खान	सादिक-शाकीर खान	ममता-मुकेश	रजि/प्लाट
16	किल्कीपुरा चंबल मार्ग	शेरबानो-नन्ने मुल्ला खान	नफीसा बानो-मो.सलीम	स्वीटी-अनिल काठेड	रजि/प्लाट
17	जवाहर मार्ग गली नं. 01	दामोदर-हीरालाल	दामोदर-हीरालाल	वीरेन्द्र दुबे, सुभाषचन्द्र दुबे-स्व. दामोदर दुबे	मृत्यु प्र.पत्र शपथ पत्र/भवन
18	मनोहर वाटिका	अमृत कौर-गुलाब सिंह मंजीत कौर-गुलाब सिंह	अमृत कौर-गुलाब सिंह मंजीर कौर-गुलाब सिंह	नवजोत सिंह-गोपाल सिंह मंजीत कौर-गुलाब सिंह	वसीयत, रजि/ प्लाट
19	वर्धमान कॉ	रश्मि बम-संजय बम	रश्मि बम-संजय बम	दुर्गाप्रसाद-श्यामनारायण प्रवीण-मदनलाल	रजि/प्लाट
20	बेरछा रोड	रतनलाल-स्वरूप जी	रतनलाल-स्वरूपजी	अशोक,राकेश-मोहनलाल	रजि/भवन
21	महिदपुर रोड	रामूबाई-स्व. मांगीलाल	रामूबाई-स्व. मांगीलाल नंदकिशोर, हीरालाल आदि पिता स्व. मांगीलाल	सुनील-जगदीशचंद्र अनिल-लईक एहमद	रजि/प्लाट
22	प्रकाश नगर गली नं. 04	पवन-स्व. राधेश्याम	पवन-स्व. राधेश्याम	मीरा-मनीष कुमार	रजि/भवन
23	चिकित्सालय मार्ग गली नं.01	गिरधारीलाल-प्यारचंद	गिरधारीलाल-प्यारचंद	मांगीलाल-स्व. गिरधारीलाल	मृत्यु प्र.पत्र शपथ पत्र/भवन
24	गुलाब बाई कॉ	सुधीर कुमार-मोहनलाल	सुधीर कुमार-मोहनलाल	देवबाला-नरेश कुमार	रजि/भवन
25	सुनीर नगर के पास	निरंक	निरंक	सीमा पिता सोहनलाल	डायवर्सन पावती
26	दयानंद कॉ	कोमल सिंह-बहादुर सिंह	कोमल सिंह-बहादुर सिंह	संतोष-कैलाशचन्द्र	रजि/भवन
27	धारीवाल टाउनसिंप	निरंक	दिलीप-देवीचंद	बालकिशन-जमुनादास	रजि/प्लाट 156
28	शिवपुरा कॉ	बद्रीलाल-नागुजी	बद्रीलाल-नागुजी	पार्वतीबाई-स्व. बद्रीलाल	मृत्यु प्र. पत्र शपथ पत्र/भवन
29	कोटा फाटक	भेरूलाल-ओंकारलाल	भेरूलाल-ओंकारलाल	राजेन्द्र कुमार-स्व. भेरूलाल	रजि/भवन
30	प्रकाश नगर गली नं. 02	मांगीलाल-पूनमचंद	कन्हैयालाल-हीरालाल आदि	मांगीलाल-पूनमचंद	रजि/भवन

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद नागदा

भोपाल, गुरूवार 14 सितम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

अपराधियों से मुक्त संसद दूर की कौड़ी

स्वस्थ लोकतंत्र का आधार साफ-सुथरे चरित्र के जनप्रतिनिधि होते हैं। प्राचीन काल से अब तक यह मान्यता है कि जो भी व्यक्ति ऊंचे ओहदे पर बैठा हो, उसका चरित्र और व्यवहार बेदाग हो। आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों से न तो कानूनों के निर्माण में ईमानदारी बरतने की उम्मीद की जा सकती है और न ही उसके क्रियान्वयन की। अगर वे देश की सबसे ऊंची पंचायत यानी संसद में बैठे हों जहां से देश की तमाम गतिविधियों का संचालन होता हो, तो उनके निर्मल व उज्ज्वल चरित्र की अपेक्षा सर्वाधिक होना अपेक्षित ही है। किसी भी देश की परिस्थितियों का निर्धारण संसद में जनता की नुमाइंदगी करने वालों के चरित्र से होता है। देश व समाज को दिशा देने वाले तथा उसकी नियति तय करने वाले ही अगर भ्रष्ट हों तो, हत्यारे हों, अपहरणकर्ता हों तो वे कैसा समाज बनायेंगे, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है।

भारत की मौजूदा दुर्दशा के अनेक कारण गिनाये जा सकते हैं लेकिन उनमें से एक प्रमुख कारण यह है कि हमारी संसद अपराधी तत्वों से भरी पड़ी है। दुनिया के विकसित एवं लोकतांत्रिक तौर पर परिपक्व राष्ट्रों की संसदों में चरित्रवान और कुशाग्र लोगों को भेजने की होड़ होती है। अपवाद स्वरूप कुछ लोग हो सकते हैं जो आपराधिक रिकार्ड के साथ संसद में जा बैठते होंगे, परन्तु भारतीय संसद में उनका जैसा बड़ा जमावड़ा है वह देश के लिये बहुत घातक है। कानून तोड़ने वाले और लोकतंत्र एक साथ नहीं चल सकते। जिस बड़े पैमाने पर अपराधी चुनकर संसद में बैठते हैं, अगर जनता की वही पसंद है तो कहा जा सकता है कि ऐसी जनता अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी मार रही है और उसे खुद के या अपनी भावी पीढ़ियों के लिये अच्छे भविष्य की उम्मीद नहीं करनी चाहिये।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) की ताज़ा रिपोर्ट जो संकेत दे रही है, उससे ऐसी चिंता होनी स्वाभाविक है। यह रिपोर्ट लोकसभा व राज्यसभा की 776 सीटों में से 763 मौजूदा सांसदों के हलफनामों का अध्ययन कर तैयार की गई है जिनमें उन्होंने अपनी जानकारी चुनावी प्रपत्र के साथ प्रस्तुत की थी। लोकसभा की चार एवं राज्यसभा की एक सीट खाली है तथा जम्मू-कश्मीर की सीटों की स्थिति अभी साफ नहीं है। इसलिये इन सीटों के सांसदों का अध्ययन इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है। जो जानकारी इन सांसदों ने दी है, उसके मुताबिक मौजूदा 763 सांसदों में से 306 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें भी 194 के विरूद्ध प्रकरण गम्भीर किस्म के हैं जो हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध आदि से सम्बन्धित हैं। आपराधिक प्रवृत्ति के नेताओं का साम्राज्य एक तरह से देश भर में फैला हुआ है जिसके लिये राज्य और पार्टियों की कोई सीमाएं नहीं हैं। गम्भीर किस्म के आपराधिक रिकार्ड वाले सांसद अनेक राज्यों और ज्यादातर दलों के है। यानी हमाम में सारे नंगे हैं। पार्टीवार आपराधिक रिकार्ड के सांसद इस प्रकार हैं- भारतीय जनता पार्टी के 385 में 139 (36 प्रतिशत), कांग्रेस 81 में 43 (53 प्रश), तृणमूल कांग्रेस के 36 में 14 (39 प्रश), राष्ट्रीय जनता दल के 6 में 5 (83 प्रश), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 8 में 6 (75 प्रश), आम आदमी पार्टी के 11 में 3 (27 प्रश), वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 31 में 13 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 8 में 3 (36 प्रश)।

यह किसी भी देश के लिये शुभ संकेत नहीं है। संसद को अपराधियों की शरण स्थली न बनाने के लाख दावों के बावजूद प्रमुख दल इसका पालन करते नहीं दिखते। एडीआर की ही पहले की एक रिपोर्ट में बतलाया गया था कि अपराधियों को राजनैतिक दल इसलिये टिकट देते हैं क्योंकि उनके जीतने की सम्भावना का प्रतिशत काफी अधिक होता है। फिर, यह ट्रेंड संसद तक ही सीमित नहीं है। राज्य स्तर पर विधानसभाओं और स्थानीय निकायों तक यही सिलसिला है जो ग्राम पंचायतों तक बदस्तूर कायम है। राजनीति में सारे हथकण्डों को जायज मान लेने का फैशन इस परम्परा को सघन कर रहा है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के पास बाहुबल और धनबल का अभाव न होने से पार्टियां टिकट देने के मामले में उन्हें तरज़ीह देती हैं। इससे पार्टी नेतृत्व का काम हल्का हो जाता है। ऐसे उम्मीदवारों को मदद देने के मामले में संगठन चिंतामुक्त हो जाते हैं। वे जानते हैं कि ऐसे लोग अपना इंतज़ाम स्वयं कर लेंगे।

अनेक मायनों में ये बुरे वक्त के संकेत हैं। लोकतंत्र के लिये बड़ा आवश्यक है कि प्रतिनिधि सभाएं अपराधियों से पूर्णत: मुक्त हों ताकि वे जनहित में साफ-सुथरे व निष्पक्ष निर्णय लें। आपराधिक तत्वों का संसद या विधायिका में बैठने का मतलब होता है कि वे अपने गिरोहों और गैरकानूनी कामों के लिए संरक्षण प्राप्त करते हैं। निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी ताकत बेइंतिहा बढ़ जाती है। केन्द्र की हो या राज्य की सरकार, जिला प्रशासन हो या पुलिस प्रशासन- सारे उसके रूआब तले दबे रहते हैं। इसके कारण उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। या तो उनके विरूद्ध मामले वर्षों लम्बित रहते हैं या फैसला उनके पक्ष में होता है। हाल के वर्षों में कई ऐसे प्रकरण सामने आये हैं जिनमें कोई बलात्कार के आरोप से बेदाग छूटता है तो किसी में रिश्तेदार हत्या करके भी जेल जाने से बच जाते हैं। कभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वे ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं जिसमें इन सदनों में बैठे लोगों के आपराधिक प्रकरणों का निपटारा थोड़े दिनों में अनिवार्य रूप से हो सके। ऐसा तो नहीं हुआ, उलटे आपराधिक रिकार्डधारी जनप्रतिनिधि कहीं अधिक दिख रहे हैं।

भाषा के स्तर पर हीनता का भाव

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

8 से 10 तारीख तक जी-20 शिखर सम्मेलन कई कारणों से सुर्खियों में छाया रहा। आलीशान भारत मंडपम में एक रात की बारिश में पानी भर गया, गरीबों को छिपाने के लिए उन्हें उनके ही घरों में कैद कर, ऊपर से हरे पर्दे ढंक दिए गए, सड़क पर रहने वाले पशुओं को बेदर्दी के साथ बाड़ाबंद किया गया, सोने-चांदी के पानी चढ़े बर्तनों में मेहमानों को भोजन परोसा गया, सभी राष्ट्रों के मेहमान गांधी समाधि पर नमन करने गए और आखिर में चर्चा इस बात की भी रही कि दिल्ली घोषणापत्र पर आम सहमति बन गई। प्रधानमंत्री मोदी ने किस राष्ट्राध्यक्ष के साथ कितनी देर हाथ मिलाया, किसके साथ कैसी फोटो खिंचवाई, कौन आया, कौन नहीं आया, कोई नहीं आया तो उसके पीछे क्या कारण रहे, इन तमाम बातों पर भी चर्चाएं हुईं। इन सबके अलावा इंडिया हटाकर भारत कहने की मोदी सरकार की जिद भी जी-20 के मंच पर नजर आई। राष्ट्रपति के रात्रिभोज निमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया। प्रधानमंत्री मोदी के आगे प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत लिखा गया। भारत रोमन लिपि में लिखा गया, क्योंकि सभी विदेशी मेहमान देवनागरी से परिचित नहीं थे। उनके लिए इस देश का प्रचलित नाम इंडिया ही है, और इसमें कुछ असंवैधानिक नहीं है, क्योंकि इंडिया दैट इज़ भारत संविधान के पहले अनुच्छेद में ही लिखा गया है। लेकिन संविधान में लिखी बहुत सी बातों से भाजपा को जिस तरह आपत्ति है, उसी तरह इस बात से भी है। इंडिया को औपनिवेशिक दासता का प्रतीक बताया जा रहा है। लेकिन इस विरोध के पीछे ऐसा लग रहा है कि यह दासता का नहीं हीनताबोध का सवाल है। हीनता अंग्रेजी और हिंदी की तुलना को लेकर, हीनता चमड़ी के रंग को लेकर। इसलिए भारत में आज भी गोरेपन की क्रीम का विज्ञापन धड़ल्ले से होता है। पहले केवल लड़कियों के गोरेपन तक बात सीमित थी, अब लड़कों को भी गोरा दिखाने की चाहत पैदा हो गई है। विवाह के विज्ञापन में शादी योग्य लड़के या लड़की में योग्यता का पैमाना सुंदर और गोरे होने से भी तय होता है। इस हीनभावना को दूर किया जा सकता है, अगर हम अपनी खासियत पर ध्यान दें और उन कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करें, जिनकी वजह से हम दुनिया के बाकी देशों से पिछड़े हुए हैं। सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की अच्छी व्यवस्था। देश के गांव-शहर साफ-सुथरे होना। काम और जाति के आधार पर किसी को छोटा या बड़ा न मानना। एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों और कर्तव्यों के लिए जागरुक होना और समाज को भी जागरुक करना। इंसानों के साथ-साथ प्रकृति के अन्य जीवों, जंगलों, नदी-पहाड़ों का सम्मान करना। ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजना। ऐसी बहुत सी छोटी-छोटी बातों पर मेहनत करके हम दुनिया में आगे निकल सकते हैं। लेकिन आगे निकलने की जगह हम पिछड़ा होने की हीनता में ही उलझे हुए हैं।

> इस देश का प्रचलित नाम इंडिया ही है, और इसमें कुछ असंवैधानिक नहीं है, क्योंकि इंडिया दैट इज़ भारत संविधान के पहले अनुच्छेद में ही लिखा गया है। लेकिन संविधान में लिखी बहुत सी बातों से भाजपा को जिस तरह आपत्ति है, उसी तरह इस बात से भी है। इंडिया को औपनिवेशिक दासता का प्रतीक बताया जा रहा है। लेकिन इस विरोध के पीछे ऐसा लग रहा है कि यह दासता का नहीं हीनताबोध का सवाल है।

इस हीनता को कभी विश्वगुरु के तमगे से हम दूर करना चाहते हैं और कभी अपने शहरों को विदेशी शहरों जैसा बनाने की चाहत से दूर करने की कोशिश करते हैं। हीनता का एक भाव भाषा के स्तर पर भी दिखाई देता है। इसका एक उदाहरण जी-20 में नजर आया।

अमेरिकी विदेशमंत्री की प्रवक्ता मार्गरेट मैकलियोड जी-20 के लिए दिल्ली पहुंची थीं और यहां उन्होंने कई लोगों से हिंदी में ही बातचीत की। इसके बाद तो मीडिया में सुश्री मैकलियोड की चर्चाएं होने लगीं। कई चैनलों में दिखाया गया कि वे कितनी धाराप्रवाह हिंदी बोल लेती हैं। हिंदी सीखने के बारे में मार्गरेट मैकलियोड ने बताया कि उन्होंने जब दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स में दाखिला लिया था तो वहां तो अंग्रेजी बोली जाती थी, लेकिन हॉस्टल में सहेलियों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने हिंदी सीखी। मार्गरेट रिक्शेवालों के साथ भी हिंदी में बात करती थीं ताकि भाषा पर पकड़ मजबूत बने। मसूरी के एक संस्थान से उन्होंने हिंदी की शिक्षा ली, और व्याकरण मजबूत किया। इसके अलावा अमेरिका में हिंदुस्तानी समुदाय के बीच वे हिंदी में ही बातचीत कर अपनी भाषा को दुरुस्त करती हैं। हिंदी के अलावा मार्गरेट ने गुजराती भी सीखी थी, हालांकि अब वो अच्छे से बोल नहीं पाती हैं। इसके अलावा उर्दू और फ्रेंच भी उन्हें आती है।

मार्गरेट मैकलियोड पहली अमेरिकी नागरिक नहीं हैं, जिन्हें अच्छी हिंदी आती है या जिन्होंने शौक से हिंदी सीखी हो। न ही वे पहली विदेशी हैं, जिन्होंने हिंदी का ज्ञान प्राप्त किया है। आजादी से पहले भी और प्राचीन काल में जब हिंदी का खड़ी बोली वाला अस्तित्व नहीं था, लेकिन संस्कृत और अन्य प्राचीन भारतीय भाषाएं चलन में थीं, तब भी विदेशी अध्येता भारत आते थे और यहां की भाषायी विविधता के सागर में डुबकी लगाते थे। कितने प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद अंग्रेजी समेत दूसरी विदेशी भाषाओं में हुआ है और इसी तरह विश्व साहित्य के अनूठे ग्रंथ भारतीय भाषाओं में अनूदित हुए हैं। भाषा और ज्ञान इसी तरह मिलजुल कर बांटने और प्रसारित करने से ही बढ़ता है। दुनिया सभ्यता के इस मुकाम तक पहुंची है तो इसके पीछे हमारे पुरखों की उदार दृष्टि ही रही है। लेकिन अब भाषा को संकुचित दायरे में बांधा जा रहा है।

अमेरिकी महिला की फर्राटेदार हिंदी पर लहालोट होने वाले लोग अपने आसपास नजर डाल कर देखें कि उनके घर-परिवार की नयी पीढ़ी के बच्चे कितनी हिंदी जानते हैं। कड़वी सच्चाई है कि बच्चे अब केवल मजबूरी में हिंदी पढ़ रहे हैं। दसवीं के बाद हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य नहीं होती, तो बहुत से बच्चे हिंदी छोड़ देते हैं। स्कूलों में अंग्रेजी में बात करने की बाध्यता तो रहती ही है, अब कई घरों में मां-बाप बच्चों से अंग्रेजी में ही बात करते हैं, ताकि वो फर्राटेदार अंग्रेजी बोलें और समाज में उनकी हैसियत बने। हमारे बच्चे को तो हिंदी बिल्कुल आती ही नहीं, इस बात को अभिभावक गर्व से बताते हैं। उन्हें इस बात पर जरा शर्म महसूस नहीं होती कि अपने देश की सर्वाधिक प्रचलित भाषा से उनका बच्चा अनजान है। क्योंकि उन्हें इस बात का घमंड रहता है कि बच्चा अंग्रेजी अच्छे से बोल लेता है। ऐसे बहुत से लोग भाजपा की हिंदी भाषा में शिक्षण मुहिम के समर्थक होंगे, क्योंकि मेडिकल या इंजीनियरिंग की शिक्षा हिंदी में बांध देने को वो राष्ट्रवादी कर्तव्य मानेंगे। लेकिन यह कर्तव्य केवल साधारण लोगों के बच्चों के लिए रहेगा। जैसे बहुत से भाजपा नेताओं के बच्चे अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कर, विदेश चले गए हैं, वही आकांक्षा उनके समर्थकों की भी रहती है।

बच्चों के अंग्रेजी पढ़ने या उनके बाहर जाकर उच्च शिक्षा हासिल करने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन भाषा को सियासत का मसला बना देना बड़ी बुराई है। जी-20 से लेकर अब हिंदी दिवस तक यह बुराई देशप्रेम के नाम पर खूब फैलाई जाएगी। सरकारी खर्चे पर 15 दिनों का तमाशा हिंदी के विकास के नाम पर किया जाएगा। सरकारी संस्थानों में तरह-तरह के कार्यक्रम किए जाएंगे, ताकि हिंदी को बढ़ावा मिले। लेकिन एक अक्टूबर आते ही फिर हिंदी के विकास की मुहिम पटरी से उतर जाएगी।

खतरे में आदिवासियों का अस्तित्व

■ बरखा लकडा

आज पूरे भारत में हर समाज अपनी जाति-व्यवस्था को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इनमें से एक आदिवासी समुदाय है जो खुद को हिन्दू नहीं, बल्कि आदिवासी मानता है। अगर आदिवासी खुद को हिन्दू नहीं मानते तो फिर इनका इतिहास क्या है? ये एक बड़ा सवाल है जिसका विश्लेषण तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए।

जस्टिस पाजीटर का मानना है कि अनार्य तो आर्यों से भी प्राचीन हैं, उनके पहले के हैं जब भारत में आर्यों का जन्म भी नहीं हुआ था। ईसवी सन् से लगभग 2200 वर्ष पहले आर्य लोगों ने मध्य हिमालय के रास्ते से भारतवर्ष में प्रवेश किया था। आर्यों ने भारतवर्ष में आकर अनार्यों से संघर्ष किया और आर्य – अनार्य युद्ध को च्देवासुर संग्रामज् की संज्ञा दी। उन्होंने अनार्यों को असुर और भारत में पहले से रह रहे लोगों को अनार्य कहा।

आर्यों -अनार्यों में मूल भेद यह था कि यूरेशिया से मध्य भारत में प्रवेश करने वाले आर्य शीत प्रधान भू-भाग के निवासी होने के कारण शरीर से गोरे, ऊंचे कद, लंबी नाक और भूरी आंख, भूरे बाल वाले थे, जबकि अनार्यों का कद छोटा, शरीर तथा बालों का रंग काला, नाक मोटी, होंठ मोटे तथा सिर गोल था। प्रथम वैदिक काल में दो ही वर्ग थे। पहला आर्य, दूसरा अनार्य। आर्यों ने अनार्यों को अपना शत्रु माना। आर्यों -अनार्यों की शारीरिक रचना, संस्कृति एक-दूसरे से बिलकुल भिन्न थी।

> विकास के आंकड़ों पर अगर नजर डालें तो आदिवासी शिक्षा, स्वास्थ्य, आयु, जन्म के समय मृत्युदर, सालाना आय आदि कई मापदंडों पर नीचे के पायदानों पर पाये जाते हैं। इसके कारण बहुत सी बातों में आदिवासी शोषण के सहज ही शिकार बन जाते हैं। बड़े उपक्रमों के अलावा जहां कहीं भी छोटे शहर या कस्बों का दबाव बढ़ने लगता है, वहां आदिवासी विभिन्न भूमाफियाओं द्वारा प्रताड़ित किये जाते हैं और उन्हें लगातार अपनी जमीन से बेदखल होना पड़ता है।

वैदिक काल भारत का सबसे प्राचीन काल है। उससे पहले का इतिहास क्रमबद्ध रूप से उपलब्ध नहीं है। वैदिक साहित्य में असुरों का नाम मिलता है जिन्हें आर्यों ने अनार्य माना है। विद्वानों का मत है कि अनार्य और असुर एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं। अनार्य जिन्हें आस्ट्रेलाइड, द्रविडियन कहते हैं और जिसे वर्तमान में आदिवासी कहते हैं, असुरों की ही उत्पत्ति हैं। इस प्रकार अनार्य कौन हैं? इस प्रश्न के उत्तर में इतना पर्याप्त है कि अनार्य, असुर, द्रविडियन, आस्ट्रेलाइड एक ही वंश, नस्ल के भिन्न-भिन्न नाम हैं।

पंडित रघुनंदन प्रसाद शर्मा अपनी पुस्तक 'वैदिक सम्पति' में लिखते है कि 'उस समय भारत और आस्ट्रेलिया के बीच इतना बड़ा अन्तर नहीं था। लंका और मेडागास्कर की भूमि अधिक चौड़ी थी और भारत तथा आस्ट्रेलिया को जोड़ती थी तथा समस्त टापुओं में एक ही जाति निवास करती थी। आस्ट्रेलिया वालों की और भारतीय आस्ट्रेलाइड, द्रविडियन, भील, संथाल और कोल की भाषा एक सी थी। राहुल सांस्कृत्यायन ने लिखा है कि 'मोहनजोदड़ो और हड़प्पा का अन्तिम उत्कर्ष काल 2400 ईसा पूर्व माना गया है। उसके एक हजार साल बाद आर्यों का आगमन अनार्यों के भू-भाग में हुआ और कम-से-कम 300 वर्ष बाद वशिष्ठ, भारद्वाज, विश्वामित्र आदि ने अपनी रचना की।

लाला लाजपतराय अपनी पुस्तक 'भारतवर्ष का इतिहास' में लिखते हैं कि 'मेरे विचार से इस बात को ऐतिहासिक रूप से स्वीकार कर लेना चाहिए कि हिन्दू-आर्य भारत के मूल निवासी नहीं हैं। पंडित बाल गंगाधर तिलक अपनी पुस्तक 'आर्यन' में लिखते हैं कि आर्य लोग सबसे पहले उत्तरी-ध्रुव के रहने वाले थे। नेहरू ने 'पिता के पुत्र, पुत्री के नाम' पुस्तक में लिखा है कि 'आर्यों ने उत्तर की ओर से अनार्यों पर आक्रमण किया। इन आर्यों का मध्य एशिया में अवश्य ही बहुत बड़ा समूह रहता था।'

भारत के इतिहास में 'गोंण्डहवाना लैण्ड' का जिक्र है। भूतत्वविदों और ज्योतिर्विज्ञानियों ने 'गोण्डवाना लैण्ड' का नामकरण किया था। उस समय यह विशाल समूह इस भूमिखण्ड के मध्यभाग में निवास करता था। भारत आदिवासियों का देश है इससे इन्कार नहीं किया जाता, पर वर्तमान समय में भारत में मात्र 15 प्रतिशत भू-भाग में आदिवासियों का निवास रह गया है। भारत की जनगणना 1951 के अनुसार आदिवासियों की संख्या 9,91,11,498 थी जो 2001 की जनगणना में 12,43,26,240 हो गई। यह देश की जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत है।

भारत में दिन-प्रतिदिन जनसंख्या की वृद्धि हो रही है, पर उसी रफ्तार से आदिवासियों की जनसंख्या कम हो रही है। विस्थापन के अलावा इसका सबसे बड़ा कारण आदिवासियों का दूसरे धर्मो में विलय हो जाना है, जबकि आदिवासी न धार्मिक समूह है और न ही यह 'वर्ण एवं जाति' व्यवस्था का हिस्सा है, बल्कि यह एक अलग नस्लीय समुदाय है। स्पष्ट है कि आदिवासी जन्मजात हिंदू नहीं है, बल्कि बड़े पैमाने पर उनका हिंदूकरण हुआ है जो अब भी जारी है। अब समय आ गया है, आदिवासी को 'संगठन' से ज्यादा 'संगठित' होने की जरूरत है।

भारत सरकार ने अपनी 'राष्ट्रीय आदिवासी नीति 2006' के प्रारूप में आदिवासी समूहों की संख्या 698 बताई है। 2011 की जनगणना में आदिवासी समुदायों की संख्या 705 बताई गई है। हर आदिवासी समुदाय में लगभग 10 से 15 संगठन हैं। यानि पूरे आदिवासी समुदाय में सात हजार से लेकर 15 हजार तक आदिवासी संगठन हैं। कई संगठनों का विचार दूसरे संगठनों के विचार से बिल्कुल अलग होता है जिससे दोनों संगठनों के बीच मनभेद और मतभेद की स्थिति बनी रहती है। अब वक्त आ गया है कि कुछ ऐसी 'सर्व आदिवासी सामुदायिक शक्ति' बने जिसमें आदिवासी कार्यकर्ता सभी आदिवासी समुदायों को इकट्ठा कर शक्ति का निर्माण करायें। इसमें समुदाय के विभिन्न क्षेत्रों एवं राज्यों में निवास करने वाले, विभिन्न आदिवासी समुदाय शामिल हों।

आज पूरे भारत में आदिवासियों की स्थिति बहुत नाजुक है। मणिपुर में हाहाकार मचा हुआ है। छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के अनुसूचित इलाकों में आदिवासियों का लगातार पलायन और विस्थापन हो रहा है। आदिवासियों के पास पांचवीं अनुसूची 244(1), छठी अनुसूची 244(2), अनुच्छेद 371, 366(25), अनुच्छेद 275 (1) और च्संयुक्त राष्ट्र संघज् द्वारा प्रदत्त 'आदिवासी दिवस 1994' हैं फिर भी पूरे भारत में 40 प्रतिशत आदिवासी विकास के नाम से विस्थापित हो चुके हैं।

विकास के आंकड़ों पर अगर नजर डालें तो आदिवासी शिक्षा, स्वास्थ्य, आयु, जन्म के समय मृत्युदर, सालाना आय आदि कई मापदंडों पर नीचे के पायदानों पर पाये जाते हैं। इसके कारण बहुत सी बातों में आदिवासी शोषण के सहज ही शिकार बन जाते हैं। बड़े उपक्रमों के अलावा जहां कहीं भी छोटे शहर या कस्बों का दबाव बढ़ने लगता है, वहां आदिवासी विभिन्न भूमाफियाओं द्वारा प्रताड़ित किये जाते हैं और उन्हें लगातार अपनी जमीन से बेदखल होना पड़ता है। ऐसे कितने ही मामले कोर्ट में पड़े हैं और न्याय की प्रतीक्षा में आदिवासी परिवारों को पलायन करना पड़ता है।

चूंकि उनकी स्थिति मजबूत नहीं होती, आदिवासी महिलाएं, विशेषकर बच्चियां मानव व्यापार की सहज शिकार हो जाती हैं। छल-प्रपंच और प्रलोभन देकर कई संस्थाएं या दलाल सीधे-सादे आदिवासियों को मानव व्यापार के कॉरीडोर में ला खड़ा करते हैं। अपने सीधे स्वभाव के कारण आदिवासी सहज ही दलालों के झांसे में आ जाते हैं। सुनहरा सपना दिखाकर या ज्यादा पैसा कमाने का लोभ दिखाकर आदिवासी बालाओं को शहरों की कोठियों में ढकेल दिया जाता है। घरेलू कामगार महिलाओं के रूप में आदिवासी समाज को कोई ख़ास इज्जत नहीं मिली है। इन्हीं रास्तों से होकर कईयों को देह व्यापार के धंधे में ढकेल दिया जाता है।

आदिवासी भूभागों में पाये जाने वाले खनिजों के दोहन से आदिवासी समाज के सामने विकराल समस्या उभरी है। बड़े कल-कारखानों के लिये कुशल कामगारों के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिये समाज एकदम तैयार नहीं है। अगर उनके लिये कोई जगह है भी, तो वह एक अकुशल मजदूर के रूप में ही है। आज हम विकास के लिए विनाश के कांधे पर बैठकर प्रतिदिन जंगलों का विनाश कर रहे हैं, खामियाजा बीमारी के रूप में भर रहे हैं। मानव ही संसार में एकमात्र ऐसा जीव है जो अपनी मूर्खता की वजह से, अपने लिए ही विनाश के गड्ढे खोदता है। इसी सबका नतीजा एक दिन प्राकृतिक आपदा के रूप में भुगतना होगा। उदास प्रकृति सब्र टूटने पर विनाश लाती है और यह आगे विनाश का कारण भी बन सकती है।

(लेखिका चर्चित आदिवासी पत्रकार, समाज कर्मी, हैं।)

हिंदी दिवस

हिंदी को सभा-गोष्ठियों तक सीमित न रहने दें

भारतवर्ष के बदलते परिदृश्य ने जिस कदर विदेशी भाषा के मायाजाल में युवा पीढ़ी को जकड़ रखा है, वह वास्तव में दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। स्वतंत्र भारतवर्ष में रहकर आज हम कई दशकों से अपनी हिंदी भाषा को न्याय दिलाने के लिए जुटे हुए हैं। इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है? हम वर्ष के कुछ दिन अपनी भाषा को सम्मान दिलाने पखवाड़े का आयोजन करते आ रहे हैं ! हिंदी एक ऐसी भाषा – जिसे तीन चौथाई भारतवर्ष अपनाता और समझता है, उसके लिए अपने ही लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास क्या मात्र दिखावा नहीं कहा जा सकता है? हम यह जानते हैं कि हिंदी के प्रति आस्था ही भारतीयता की पहचान है। यह हमारा दुर्भाग्य है कि स्वतंत्र भारतवर्ष पर ऐसे स्वार्थी राजनेता अपनी हुकूमत कर रहे हैं, जो विदेशों से शिक्षा लेकर आए हैं। ऐसे ही लोगों ने हमारी मातृभाषा को राजभाषा तक समेट कर रख दिया है! मैं बिना किसी संकोच के ऐसे लोगों को ही हिंदी की दुर्दशा का जिम्मेदार मानता हूं। ऐसे देशद्रोही और भाषा के दुश्मन राजनेता भी इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं , कि वे भले ही विदेशी भाषा का प्रयोग करें। बड़े-बड़े मंचों से अपनी भाषा में उद्‌बोधन करें, किंतु सोचते हिंदी में ही हैं।

जब-जब हिंदी दिवस आता है, हिंदी के बगुलाभगत अनुयाई सक्रिय हो उठते हैं! राजभाषा आयोग और अनुभागों की नींद भी टूट जाती है। शासकीय कार्यालय हिंदी के उपयोग को लेकर जाग उठते हैं। सामाजिक तथा राजनीतिक मंचों पर हिंदी के नाम पर समारोह का आयोजन होने लगता है साथ ही हिंदी में कामकाज की मुहिम तेज करने शपथ भी ली जाती है। यह सब छद्म ही होता है! जैसे ही हिंदी दिवस और पखवाड़ा बीतता है, हिंदी के सम्मान में लिखे गए बड़े-बड़े बैनर-पोस्टर कूड़ेदानों में पड़े अपनी किस्मत पर आंसू बहाते दिखाई पड़ते हैं! हम 1947 में आजाद हुए। 1950 में हमारे देश का संविधान बनाया गया। इतना लंबा अरसा बीत जाने के बाद भी हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारने की हमारी गति इतनी मंथर क्यों है? हमारे देश के कर्णधारों ने हिंदी को सभा- गोष्ठियों, सेमिनार एवं वेबीनार तक सीमित करके रख दिया है! मुझे इतिहास के पन्ने बताते हैं कि सन् 1918 में महात्मा गांधी ने हिंदी साहित्य सम्मेलन में हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने की कवायद की थी। इसे महात्मा गांधी ने जनमानस की भाषा करार दिया था। बावजूद इसके उस वक्त के राजनेताओं से लेकर वर्तमान के देश चलाने वालों ने महात्मा गांधी के विचारों की भी चिता जला दी है! एक भाषा के रूप में हिंदी न केवल भारतवर्ष की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन का प्रमाण, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, उपदेशक और परिचय भी है। इसे बहुत ही सरल, सहज एवं वैज्ञानिक भाषा का दर्जा देना भी गलत नहीं होगा। कारण यह की पूरे विश्व में इस सहज भाषा को बोलने-समझने वालों की बड़ी तादाद मौजूद है। विश्व की तीसरी बड़ी भाषा होने के साथ ही साथ हमारी हिंदी प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच सेतु का काम करती है। जब जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर अमन-चैन स्थापित किया जा सकता है, तब वह दिन दूर नहीं, जब हम सभी क्षेत्रीय भाषाओं को उनका सम्मान बरकरार रखने की गारंटी के साथ हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिला पाएंगे।

हिंदी भाषा के संबंध में कुछ गौरवशाली तत्वों को जानना भी मैं जरूरी समझता हूं। हमारी वर्तमान पीढ़ी को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि हिंदी भाषा के इतिहास पर सबसे पहले साहित्य की रचना 'ग्रासिन द तैसी' एक फ्रांसीसी लेखक ने की थी। इसके साथ ही हिंदी भाषा पर पहला शोध कार्य 'थियोलॉजी ऑफ़ तुलसीदास' को लंदन विश्वविद्यालय में पहली बार एक अंग्रेज विद्वान 'के आर कारपेंटर' ने प्रस्तुत किया था। किसी भी भाषा के साथ उसकी संस्कृति जुड़ी होती है। भारत का सांस्कृतिक इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है जो भी भारतवासी इस सांस्कृतिक इतिहास की जानकारी से अछूता रह जाता है, वह पूर्ण रूप से भारतीय नहीं हो सकता। अत: यह जरूरी है कि हम अपनी संस्कृति को समझने के लिए हिंदी का श्रृंगार करते हुए अब राजभाषा को 'राष्ट्रभाषा' बनाने हेतु आंदोलित को उठें।

डॉ सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

विश्व में हिंदी की बौद्धिकता के साथ व्यवसायिकता की जुगलबंदी

हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्देनजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसादजी ने भी कहा-हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया'। यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों, शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है। यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार-प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है।

एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए कि भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों में विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है। अंग्रेजी भाषा रोजगारमूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्मगौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है और हिंदी की रामायण, गीता, रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है।

भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने हिंदी की प्रगति के लिए कुछ पंक्तियां कही हैं जो आज भी उल्लेखनीय है-

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल,
बृज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल।

संजीव ठाकुर

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

जिले में चलाया जा रहा मतदाता जागरूकता अभियान

रायसेन,देशबन्धु। आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 में जिले में शत-प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिनमें रैली, रंगोली, मेहंदी, निबंध लेखन सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को आगामी निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही नवीन मतदाता सहज रूप से अपने मताधिकार का उपयोग कर सके, इसके लिए जिले में सार्वजनिक स्थलों तथा मतदान केन्द्रों पर ईवीएम, वीवीपैट का मतदाताओं के सक्षम प्रदर्शन करने हुए वोट डालने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है।

रोजगार मेले का आयोजन

सिरोंज, देशबन्धु। मंडी बायपास रोड स्थित अंबेडकर भवन में ग्रामीण आजिविका मिशन द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें सुरक्षागार्ड, बीमा एजेंट सहित अन्य निजी कंपनियां बेरोजगार युवाओं का चयन करने पहुंची।

अब तक 978.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायसेन, देशबन्धु। जिले में 01 जून 2023 से 13 सितम्बर 2023 तक 978.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 458.2 मिलीमीटर कम है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2023 से 13 सितम्बर 2023 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 796.6 मिलीमीटर, गैरतगंज में 1157.8, बेगमगंज में 1041.6, सिलवानी में 835.2, गौहरगंज में 729.8, बरेली में 1275, उदयपुरा में 1183, बाड़ी में 835, सुल्तानपुर में 820.6 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 1114.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 13 सितम्बर 2023 को प्रात: 08 बजे तक 0.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 1.2 मिलीमीटर, गैरतगंज में 0, बेगमगंज में 0.6, सिलवानी में 0.4, गौहरगंज में 2.8, बरेली में 01, उदयपुरा में 0.2, बाड़ी में 0, सुल्तानपुर में 0 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 0.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

सीएलसी काउंसलिंग 15 तक

रायसेन,देशबन्धु। शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय, रायसेन में वर्तमान में सीएलसी द्वारा प्रथम वर्ष में 10वीं के आधार पर संस्था में संचालित सिविल इंजी., इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेली कम्युनिकेशन इंजी., मैकेनिकल इंजी और इलेक्ट्रीकल इंजी. ब्रांच में 15 सितम्बर तक प्रवेष चल रहे है। संस्था के प्राचार्य डॉ. एसपी कोरी द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त प्रवेश प्रक्रिया के साथ-साथ आईटीआई उत्तीर्ण विद्यार्थियों का डिप्लोमा द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश हेतु लेट्रल इंट्री द्वारा सीएलसी काउंसलिंग 15 सितम्बर तक चल रही है। संस्था में सभी ब्रांच में द्वितीय वर्ष आईटीआई उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये पार्याप्त सीटें है।

राज्य निर्वाचन आयोग मुख्य सूचना आयुक्त के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सीईओ की कार्यप्रणाली के विरोध में युवा कांग्रेस ने की नारेबाजी

सिरोंज, देशबन्धु। एक बार फिर जनपद सीईओ की कार्यप्रणाली के विरोध में कांग्रेस सड़क पर आई है। बुधवार को युवा कांग्रेस सहित ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जनपद सीईओ वंदना शर्मा द्वारा 8 सितम्बर को एक दुकान को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के प्रत्येक पंचायत को 2 फ्लेक्स छपवाकर भुगतान करने के निर्देश जारी करने के विरोध में तहसील पहुंचकर नारेबाजी की और तहसीलदार संजय नागवंशी को एक ज्ञापन राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त के नाम सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेस कार्यकताओं ने बताया कि लिंकरोड स्थित राघव फ्लेक्स का नाम लिखकर सचिव व रोजगार सहायकों को आदेश निकालकर 2 फ्लेक्स छपवाकर भुगतान करने के निर्देश देकर सीईओ द्वारा दुकानदार को फायदा पहुंचाया जा रहा है। ज्ञापन में बताया कि जनपद सीईओ तानाशाह पूर्वक रवैया अपनाये हुए है। जिससे आगामी विधानसभा चुनाव क्षेत्र में निष्पक्षता पूर्वक होना संदेह है। कांग्रेस नेताओं ने राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त से ज्ञापन में मांग की है कि सीईओ द्वारा निजी दुकान से फ्लेक्स छपवाने का निकाला गया आदेश तत्काल वापस लिया जाए और तत्काल निलंबित किया जाए। इस दौरान युवा कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र बघेल, लेखराज सिंह बघेल, पार्षद रामदयाल विश्वकर्मा, महिला कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रानी साहू, वरिष्ठ कॉग्रेस नेता अवध नारायण श्रीवास्तव, नसरीन बी, रामदुलारी पाठक, नगर अध्यक्ष सेफू गौरी, अनिरूद्ध यादव, प्रेशेन्द्र यादव, धर्मेन्द्र दांगी, आदिल खांन, अभिनंदन शर्मा, अरविंद नगीना, सुनील शर्मा, करतार सिंह आदि मौजूद रहे। मालूम हो कि पूर्व के वर्षो में कॉग्रेस समर्थित पूर्व सरपंचों के निर्माण कार्यों की लंबित पड़ी राशि का भुगतान न करने को लेकर युवा कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा गत माह पूर्व जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर पंचायत मंत्री का पुतला दहन किया था।

शीघ्र मिलेगी अव्यवस्थित ट्रैफिक से निजात

एसडीएम ने दिया आश्वासन, समस्या होगी दूर

सिरोंज, देशबन्धु। एसडीएम हर्षल चौधरी ने एक आदेश जारी कर ट्रक संचालकों को निर्देश दिए थे कि वह अपने ट्रकों को यहां वहां खड़े ना करें जिससे कि आवागमन अवरुद्ध हो परंतु अभी तक इस समस्या से निजात नहीं मिली है। बस स्टैंड पर पत्रकार भवन के सामने और शहर में कई स्थानों पर ट्रक यहां वहां खड़े किए जा रहे हैं जिससे आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं कई लोग तहसील रोड पर सड़क पर अपना कारोबार कर रहे हैं जिसमें वहां से निकलने वाले नागरिकों को निकलना मुश्किल कर दिया है। कई दुकान ने गाड़ी धोने की के प्रेशर लगा रखे हैं जिससे आये दिन गंदे पानी के छीटों से विवाद की स्थिति बनती है। इसको लेकर हमने एसडीएम हषर्ल चौधरी से बात की तो उन्होंने बताया कि यह बात उनके संज्ञान में है और वह जल्दी इस समस्या से निजात दिलवाएंगे। फिलहाल ट्रांसपोर्टर से उनकी बात हुई है जिसमें यह तय किया गया है जिसमें ट्रांसपोर्टरों द्वारा एक गार्ड की नियुक्ति वहां की जावेगी जिससे ट्रकों की सुरक्षा रहेगी। साथ ही मंडी गेट को नया बनाया जा रहा है जिसमें यह मांग आई थी कि रोड गेट को एक फिट और चौड़ा कर दिया जाए इस पर भी उन्होंने कार्रवाई की है।

सिरोंज को जिला बनाने की मांग: सेवादल के खर्चा रखेंगे मौन उपवास

सिरोंज, देशबन्धु। सिरोंज को जिला बनाने की मांग इन दिनों जोरो पर है। रोज एक नया आयाम इसमें जुड़ रहा है। व्यापार महासंघ ने जहां आज एक पत्रकार वार्ता ली और अपने धरना प्रदर्शन की जानकारी दी, तो वहीं कांग्रेस सेवादल के पूर्व मुख्य संगठन अशोक जैन खर्चा ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपकर महामाई माता के मंदिर में 17 से 18 सितंबर तक अन्य जल त्याग कर व मौन रहकर प्रार्थना करने की घोषणा की है। उन्होंने एक आवेदन एसडीएम को सौंपते हुए कहा है कि मां के दरबार में जिला बने सिरोंज केथन डैम के अतिक्रमण से मुक्त तालाब अतिक्रमण से मुक्त हो, शमशान अतिक्रमण से मुक्त होने की प्रार्थना को लेकर भी उपवास पर बैठेंगे।

जिला रोजगार कार्यालय में 16 को लगेगा रोजगार मेला

रायसेन,देशबन्धु। जिला रोजगार कार्यालय में 16 सितम्बर 2023 को रोजगार मेला आयोजित किया गया है, जिसमें विभिन्न कम्पनियां शामिल होगीं। इस रोजगार मेले में 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण 18 से 35 आयु वर्ग के युवाओं की भर्ती विभिन्न कम्पनियों द्वारा की जाएगी। इच्छुक आवेदक 16 सितम्बर 2023 को प्रात: 11 बजे जिला रोजगार कार्यालय में साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते हैं। इस हेतु कोई मार्ग व्यय नहीं दिया जाएगा।

ब्लॉक कांग्रेस ने धरना स्थल पर पहुंचकर किया पटवारियों का समर्थन

सिरोंज, देशबन्धु। प्रदेशभर के पटवारी संघ के आव्हान पर अपनी अन्य प्रदेशों की तरह ग्रेड पे बढ़ाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहकर तहसील प्रागंण में पटवारी संघ अध्यक्ष सुनील यादव के नेतृत्व में पटवारी धरना प्रदर्शन कर रहे है। बुधवार को पटवारियों की मांग का समर्थन करने दोपहर 12 बजे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव सहित दो दर्जन से अधिक कांग्रेस नेतागण धरना स्थल पर पहुंचकर पटवारियों की मांग का समर्थन कर अपना समर्थन पत्र सौंपा गया।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश में कॉग्रेस सरकार बनते ही पटवारियों की मांग के लिए आदेश निकाला जाऐगा। इस दौरान पटवारी संघ अध्यक्ष सुनील यादव, एडवोकेट मो. असलम सिद्दीकी, अवधनारायण श्रीवास्तव, लेखराज सिंह बघेल, युवा कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र बघेल, सुभान गौरी, महिला कॉग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रानी साहू, बिलकिस जहां, नसरीन बी, रामदुलारी पाठक, मनोज पाराशर, पंकज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मनुष्य जन्म से देव या दानव नहीं बनता, कर्म उसे बनाते है:पं. पाठक

गंजबासौदा, देशबन्धु। जीव को मानव के रुप में धरा पर भेजता है। लेकिन उसके कर्म उसे देवता और दावन तुल्य बनाते हैं। मरुधर की धरती पर जन्म लेने वाला भैरव एक साधारण वैश्य परिवार का था। लेकिन आदेश की अवज्ञा और उसके कर्मों के कारण गुरु को श्राप देना पड़ा। उसने मानव का चोला छोडा और दानव बना। जब उसका आतंक दानव रुप में बड़ा तो भगवान श्रीरामदेव को उसका संहार करना पड़ा। यह बात पडिंत हरिनारायण पाठक ने बरींघाट बेतवा मार्ग स्थित मंदिर परिसर में चल रही भगवान श्रीरामदेव की कथा के चौथे दिन कही। राक्षस आदू और भैरव वध का प्रसंग सुनाते उन्होंने कहा कि मानव जीवन के प्रथम गुरु माता पिता होते है। दूसरा गुरु हमें शिक्षा और संस्कार देता है। जीव चौरासी लाख योनियों के बाद परमात्मा की कृपा दुर्लभ मानव देह पाता है। इस लिए हमें ऐसे कर्म करना चाहिए। इससे सद्गति मिल सके। सद् का अर्थ सद्भाव से है। सद्भाव के लिए जीवन में संत जैसे आचरण, सादगी होना जरुरी है। यह तभी संभव होगा। जब हमें सच्चे गुरु की कृपा मिले। संत का सत्संग मिले जब गुरु की कृपा होगी।

भक्ति से वंचित होने से मानव परेशान: पं. तिवारी

सिरोंज, देशबन्धु। बाबा अमरनाथ बर्फानी दरबार में चल रही भागवत कथा के 6वें दिन कथा व्यास पं. राममोहन तिवारी ने कहा कि भगवान की भक्ति और कृपा संसार में विरले भक्तों को ही प्राप्त होती है और जिनको जीवन में भक्ति रूपी प्रभु कृपा मिलती है वह जीवन में हर प्रकार के सुखों का भोग स्वत: ही करते हैं,परन्तु वर्तमान युग में मानव भक्ति

कृपा से वंचित होने के कारण परेशान है। दान की शक्ति, ध्यान की शक्ति, ज्ञान की शक्ति और इस आधुनिक युग में विज्ञान की शक्ति ही सर्वोच्च है। हम सब जीवन में सुख और शांति की कामना करते हैं, परन्तु देखने में आ रहा है कि हम सबके पास सुख के साधन तो भरपूर हैं, परन्तु हम सब वर्तमान समय में शांति से वंचित हैं क्योंकि हम प्रभु भक्ति से दूर होते जा रहे हैं, यदि जीवन में आत्म संतुष्टि चाहते हो तो सत्य सनातन के द्वारा प्रतिपादित सिंद्धान्तों को जीवन में धारण करो और अपनी नवीन पीढ़ी को सनातन सिंद्धान्तों का अनुगामी बनाओ। बुधवार को भागवत कथा में कालिया नाग मर्दन,चीर हरण,तृणावत,वकासुर,की कथा के साथ उद्धव चरित्र, गोपी लीलाओं का वर्णन कथा व्यास ने किया। अमरनाथ बर्फानी सेवादल के सभी सदस्यों ने पुष्प वर्षा, अबीर गुलाल एवं चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया। कथा समापन पर गुरुवार को पूर्णाहुति और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सिलवानी और उदयपुरा क्षेत्र के गांवों में पहुंचे विकास रथ, दी योजनाओं की जानकारी

रायसेन,देशबन्धु। प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए रायसेन जिले की सभी विधानसभाओं में ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में विकास रथों द्वारा निरंतर भ्रमण किया जा रहा है। इन विकास रथों में लगी हुई एलईडी के माध्यम से शासन की योजनाओं तथा विकास कार्यो पर केन्द्रित वीडियो क्लिप के माध्यम से नागरिकों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में 13 सितम्बर को विकास रथों द्वारा उदयपुरा तहसील के ग्राम केतोघान, पिपरिया, पुआरिया, छातेर सहित अन्य ग्राम तथा सिलवानी नगर के विभिन्न वार्डो में जाकर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ, मुख्यमंत्री किसान कल्याण सहित अन्य योजनाओं तथा विकास कार्यो की जानकारी दी गई।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 49 लोगों की आंखों में मिला मोतीयाबिंद

गंजबासौदा, देशबन्धु। स्थानीय मिल रोड स्थित सतगुरु विजन सेंटर पर स्व.नारायण सदाशिव पिगले सेवा संस्थान के सहयोग से सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर के नेत्र चिकित्सक डॉक्टर रवि कुशवाहा, राजकरण वर्मा ने लगभग 125 मरीजों के नेत्रों की जांच कर उन्हें नेत्र रोगों से बचाव एवं नेत्रों की सुरक्षा करने के उपायों के बारे में विस्तार से समझाते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को 35 वर्ष की उम्र के पश्चात अपने नेत्रों का परीक्षण अवश्य करवाना चाहिए। शिविर में अध्यक्षता मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के प्रांतीय प्रभारी डॉ एके जैन ने की एवं विशेष अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष गणेशाम रघुवंशी उपस्थित थे। शिविर में लगभग मरीजों को 49 मोतियाबिंद चयनित किया गया एवं 57 मरीजों को नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया वहीं पर 26 मरीजों को चश्मे के नंबर निकालने की सलाह दी गई एवं 23 मरीजों को चश्मे प्रदान किए गए। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ एके जैन ने कहा कि नेत्र रोगियों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर किस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है वह प्रतिवर्ष स्व: रणछोड़ दास महाराज के आशीर्वाद से 40 हजार से अधिक ऑपरेशन होते हैं वहीं समाजसेवी सुनील बाबू एवं जिला अध्यक्ष गणेशाम रघुवंशी ने कहा कि आगामी दिनों में इस तरह के शिविरों का आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में भी किया जावेगा जिससे नेत्र रोगियों की संख्या में लगातार कमी हो जाएगी शिविर में विजय अरोरा जीतू पाठक, दौलत सिंह जादौन,नीलम सिंह दांगी सहित सभी लोगों ने नेत्रों की जांच एवं दवाइयों के वितरण में एवं बीपी और शुगर परीक्षण में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

प्रतिबंधित रेत का परिवहन करते ट्रक को पकड़ा, चालक फरार

मुरैना, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिहं चौहान निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अवैध रूप से रेत तथा खनीज पदार्थो का उत्खन्न तथा परिवहन की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना सरायछोला पुलिस ने अल्ला बेली चौकी पर चेकिंग के दौरान बुधवार की सुबह रेत का अवैध परिवहन करते हुए ट्रक को जप्त कर लिया है, जबकि आरोपी ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी दर्शन लाल शुक्ला ने पुलिस टीम के साथ अल्लाबेली चेंकिग पॉईट पर ट्रक क्रमांक आरजे11-जीए- 9250 को रोकने का प्रयास किया, परंतु ट्रक के चालक द्वारा ट्रक को नहीं रोका गया। बाद में पुलिस पार्टी द्वारा ट्रक को रोकने का प्रयास किया गया तो ट्रक का चालक ट्रक को चालू हालत में हाईवे पर चलते हुए ट्रक से कूद गया। जनहानि की घटना को रोकने का प्रयास करते समय ट्रक ड्रायवर मौके से भागने में सफल हो गया। बाद में उक्त ट्रक डिवाईडर से टकराकर रूक गया, जिसे थाना सरायछोला पुलिस ने जप्त कर चालक के विरुद्ध धारा 379, 414, 279, 336 ताहि तथा धारा 18 (1) म.प्र. खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) अधिनियम 2006 तथा धारा 21 खान एवं खनिज (विनिमय एवं विकास) अधिनियम 1957 का मामला दर्ज किया है। बरामद किए गए रेत एवं ट्रक की कुल कीमत 25 लख रुपए बताई गई है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सरायछौला निरीक्षक दर्शन शुक्ला, उनि अविनाश सिंह राठौड, उनि सौरभपुरी, प्र. आर. भानू यादव, आर. जीतेन्द्र गुर्जर, आशाराम गुर्जर, असगर, लखनप्रताप, धर्मेन्द्र, राधेश्याम, रामलक्ष्मण, वीरेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

जौरा पुलिस ने पकड़ी 7 पेटी अवैध शराब, 10 स्थाई वारंटी भी हुए गिरफ्तार : जिले भर में पुलिस पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध शराब निर्माण एवं परिवहन करने वाले माफियाओं के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं स्थाई वारंटी कि घर पकड़ के दौरान 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार नगर निरीक्षक आलोक सिंह परिहार को ग्राम अलापुर में अवैध शराब होने की जानकारी मिलने पर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर की गई छापामार कार्यवाही में भूसे में छुपाकर रखी गई 7 पेटी अवैध देशी शराब पकड़ी गई।

उक्त अवैध शराब अतरा उर्फ अतर सिंह जाटव के यहां मिली। पुलिस ने मौके से आरोपी अतर सिंह जाटव को गिरफ्तार किया गया है, वहीं स्थानीय पुलिस ने काफी समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी नीरज शर्मा बिलगांव, धर्मेंद्र सांवलिया का पुरा, रमेश कुशवाह डगरिया पुरा, रामअवतार यादव परसोटा, जगन्नाथ, घनश्याम खिरिया, कला सिंह कुशवाह पुराना जौरा को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में उपनिरीक्षक सुरेश मिश्रा, यशपाल सिंह, गुलाब सिंह बाथम, भूपेंद्र सिंह, रामेंद्र सिंह, गुलाब सिंह जाटव, जितेंद्र सिंह, नकुल सिंह, प्रवीण आदि पुलिसकर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

हाईवे पर ट्रैक्टर ट्रॉली में ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत

मुरैना, देशबन्धु। सराय छोला थाना अंतर्गत बाबा देवपुरी के पास नेशनल हाईवे पर बुधवार की सुबह मुरैना से धौलपुर जा रहे एक ट्रैक्टर ट्राली को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे एक युवक की मौत हो गई तथा दूसरा घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक युवक का पीएम करने के बाद लाश उसके परिजनों को सौंप दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रघुराज पुत्र केशव प्रजापति 34 वर्ष निवासी शहनाई रिसोर्ट के पास जौरा रोड मुरैना अपनी मौसी के लडक़े धर्मेंद्र पुत्र केदार प्रजापति निवासी विशाल कान्वेंट स्कूल के पास के साथ ट्रैक्टर ट्राली से धौलपुर जा रहा था। बुधवार की सुबह जब उसकी ट्रैक्टर ट्राली बाबा देवपुरी मंदिर के पास पहुंची तो नेशनल हाईवे पर सामने से आ रहे एक ट्रक ने जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में रघुराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद ट्रक चालक को ट्रक सहित पकड़ लिया गया है तथा पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इधर पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लाश उसके परिजनों को सौंप दी है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

धूमधाम से आज मनेगा पोला

बैतूल, देशबन्धु। प्राचीनतम त्यौहारों में से एक पोला उत्सव आज अपनी पहचान खोता जा रहा है। गांवों में आज भी यह उत्सव देखने को मिल जाता है परन्तु शहरों में लगभग यह खत्म होने की कगार पर है। ऐसे में गंज की सार्वजनिक पोला उत्सव समिति का प्रयास है कि इस त्यौहार का अस्तित्व हमेशा रहे। सार्वजनिक पोला उत्सव समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार स्व.रतनलाल साहू की स्मृति में 106वां पोला उत्सव आज गुरूवार को प्रायमरी स्कूल के सामने मनाया जाएगा। इस संबंध में आयोजक ओमप्रकाश साहू और नरेश साहू ने बताया कि उत्सव को लेकर बैल मालिकों ने खासा उत्साह देखा जा रहा है। किशोर साहू और नरेन्द्र साहू ने बताया कि पोला उत्सव को भव्य रूप दिया गया है।

किसान ने व्यापारी पर लगाए आरोप, कलेक्टर से की शिकायत

बैतूल, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी में किसान की अनुपस्थिति में व्यापारी द्वारा जबरन उपज की खरीदी किए जाने का आरोप लगाते हुए शिकायत किसान ने कलेक्टर से की है। दामजीपुरा निवासी शिकायतकर्ता किसान जितेन्द्र चिन्टू राठौर ने बताया है कि वे अपनी उपज सोयाबीन बेचने बैतूल कृषि उपज मंडी गए थे। इस दौरान व्यापारी प्रमोद अग्रवाल ने नरेन्द्र राठौर के नाम अनुबंध काट कर उनकी अनुपस्थिति में उपज की तुलाई करा ली। विरोध किया गया तो व्यापारी द्वारा गाली गलौच कर धमकाया गया। किसान ने शिकायत आवेदन के माध्यम से कलेक्टर से गुहार लगाई है कि उक्त व्यापारी से उनकी उपज वापस दिलवाई जाये और व्यापारी का लायसेंस निरस्त कर एफआईआर की जाए। आवेदक किसान ने मंडी सचिव सहित पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत भेजी है।

थाने में 2 चेयर और वाटर फिल्टर दिया

भैंसदेही, देशबन्धु। महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर संबल प्रदान करने वाली क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण कोटा लिमिटेड भैंसदेही शाखा के द्वारा सामुदायिक दायित्व के तहत थाना परिसर में फरियादियों को बैठने की सुविधा के लिए स्टील की दो फ्री लेयर पोर्ट चेयर और थाना परिसर में पुलिस कर्मी और फरियादियों के शुद्ध पीने के पानी के लिए वाटर फिल्टर प्रदान किया गया। कंपनी के मैनेजर रामेश्वर रोकड़े ने बताया कि समय-समय पर सामुदायिक दायित्व के तहत ऐसे कार्य किए जाते हैं। थाना प्रभारी अंजना धुर्वे, कंपनी के ब्रांच मैनेजर दिनेश डिगरसे, असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर ओम प्रकाश रघुवंशी, केंद्र मैनेजर गणपति धुर्वे, सानू डिगरसे, सचिन बमोरिया, सुरेश मरकाम, नवीन कड़िया, श्री राम, नरेंद्र, मयंक, मौजूद रहे। दिनेश दिगर ने बताया कि विकासखंड के अंतर्गत ग्राम रेणुका खापा की आंगनआड़ी केंद्र में बच्चों के बैठने के लिए 20 कुर्सियां और चार बड़ी कुर्सियां, दो चटाई प्रदान की गई।

पेट्रोल पंप पर दिनदहाड़े लूट, 70 हजार नगद और मोबाइल ले गए

▸ **सूचना पर तत्काल पुलिस ने की घेराबंदी, खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज**

सारनी, देशबन्धु। बैतूल से परासिया मिनी हाईवे 43 पर बुधवार दोपहर 3 बजे के लगभग सात मोटरसाइकिल पर 15 से 20 युवकों ने सुखाढाना के चंदा फीलिंग पॉइंट से लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। घटना की जानकारी सारनी पाथाखेड़ा पुलिस को लगते ही हंड्रेड डायल के अलावा सारनी थाना प्रभारी अरविंद कुमार कुमरे,पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी संदीप जाट मौके पर पहुंचे और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को कर्मचारी कमलेश वामने और दूसरा कर्मचारी अपने पेट्रोल पंप पर प्रतिदिन की तरह कार्य कर रहे थे कि दोपहर 3 बजे एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक शराब के नशे में आए और पेट्रोल डलवाने और पैसे को लेकर कर्मचारियों के बीच बहश हुई। इस बात पर नाराज होकर तीनों युवकों ने आसपास के गांव से कुछ लगभग 15 से 20 युवकों को सात मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले और कर्मचारी कमलेश बामने के साथ पहले तो जमकर मारपीट की गई उसके बाद उसकी जेब और काउंटर में रखें लगभग 70 हजार रुपए लूटकर ले जाने में आरोपी सफल हुए। आरोपियों द्वारा दोनों कर्मचारियों के मोबाइल भी छीन लिए। इसकी जानकारी कर्मचारियों ने सलैया के एक युवक के

जरिए बबलू रघुवंशी को दी गई और बबलू रघुवंशी द्वारा इस घटना की जानकारी सारनी और पाथाखेड़ा पुलिस को दी गई। जिस पर घटना के 15 मिनट के भीतर तत्परता दिखाते हुए सारनी पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर आरोपियों की खोजबीन शुरू की पेट्रोल पंप के सीसी फुटेज से इस लूट की घटना को अंजाम देने वाले कुछ आरोपियों की पहचान भी की जा चुकी है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि जल्द पुलिस इस घटना में शामिल कुछ युवकों को गिरफ्तार भी कर सकती है।

इनका कहना है

शराब के नशे में एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक आए थे उनके द्वारा किसी बात को लेकर पहले बहस की गई और उसके बाद उन्होंने सात आठ मोटरसाइकिल में लगभग 15 से 20 युवकों को बुलाकर घटना को अंजाम दिया है। आरोपियों की पहचान हो गई है उनकी गिरफ्तारी जल्द की जाएगी।

अरविंद कुमरे, थाना प्रभारी सारनी

स्वास्थ्य विभाग के दल ने वनग्रामों में किया ग्रामीणों का उपचार

हरदा, देशबन्धु। टिमरनी विकासखण्ड के वनग्राम रवांग के बनियाढाना में बीमारी की सूचना पर गत दो दिनों से स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा दलों द्वारा निरंतर भ्रमण कर ग्रामीणों का उपचार किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि भ्रमण के प्रथम दिवस 66 ग्रामीणों का उपचार किया गया, जो मौसमी बीमारियों से पीड़ित थे। भ्रमण के दूसरे दिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिंह, ने क्षेत्र का निरीक्षण किया, जहां खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ.एम.के.चौरे चिकित्सा दल के साथ उपस्थित थे। चिकित्सा दल ने ढाने के प्रत्येक घर में क्लोरीन टेबलेट का वितरण किया तथा सामान्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित 16 मरीजों का उपचार कर दवाईयां प्रदान की। सीएमएचओ डॉ. सिंह ने जिला मलेरिया अधिकारी को क्षेत्र में एक्टिव फीवर सर्वे एवं डेंगू मलेरिया से संबंधित सर्वे व प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने ग्राम में सरपंच व सचिव से चर्चा कर ढाने में साफ सफाई कराने के लिये कहा। ढाने में प्रत्येक घर में पशुपालन किया जाता है, इस संबंध में उन्होने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा की। उन्होने बताया कि ग्राम में अभी स्थिति सामान्य है।

किसानों और कृषक समूहों को किया जाएगा पुरस्कृत

हरदा, देशबन्धु। कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा के तहत जिले में विकासखण्ड स्तरीय प्रति कृषक पुरस्कार के लिये उन्नतशील कृषकों एवं समूहों से आवेदन पत्र 9 अक्टूबर तक आमंत्रित किये गये हैं। उपसंचालक कृषि एम.पी.एस. चन्द्रावत ने बताया कि वर्ष 2022-23 में कृषकों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीक, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी में उपज एवं उत्पादकता के आधार पर पृथक-पृथक प्रति विकासखण्ड सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार एवं 10 जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार दिये जायेंगे। कृषकों को आवेदन-पत्र कार्यालयीन समय में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय हरदा. टिमरनी एवं खिरकिया से निःशुल्क उपलब्ध कराये जाएंगे।

मुख्यमंत्री की जनदर्शन यात्रा को लेकर भाजपा ने की बैठक

मुलताई, देशबन्धु। प्रभात पट्टन तहसील क्षेत्र के ग्राम मासोद के अंबेडकर भवन में भाजपा मासोद मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे आगामी 19 सितंबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जनदर्शन यात्रा के साथ रथयात्रा के संबध में चर्चा की गई। मासोद मे रथ सभा का आयोजन प्रस्तावित है, जिसके तारतम्य में कार्यकर्ताओं को बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यकर्ताओं ने बताया कि लगभग दस हजार के जनसमूह को प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान रथसभा लेकर ग्रामीणों को संबोधित करेंगे। वहीं बड़ी संख्या में लाडली बहना प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री का स्वागत करेंगी। मुख्यमंत्री की रथयात्रा आठनेर होते हुए मासोद पहुंचेंगी, जहां भारत माता मंदिर प्रांगण में मुख्यमंत्री रथसभा लेकर ग्रामीणों को संबोधित करेंगे। रथ सभा को सफल बनाने हेतु बैठक में यात्रा प्रभारी मोहित मिश्रा, संयोजक जगदीश पंवार, पूर्व विधायक चंद्रशेखर देशमुख, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भास्कर मगरदे, मंडल अध्यक्ष विजय घोड़की ,राजेश पाठक , रमेश गवहाडे, सरपंच संगीता घोटे, सुमन डागे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आसाम के मुख्यमंत्री 17 को हरदा आयेंगे

हरदा, देशबन्धु। आसाम के मुख्यमंत्री हिमन्ता बिस्वा सरमा 17 सितम्बर को हरदा आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आसाम के मुख्यमंत्री 17 सितम्बर को भोपाल से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे हरदा आयेंगे। यहां सर्किट हाउस में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे तथा दोपहर 12:30 बजे आम सभा को सम्बोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 2 से 3 बजे तक सर्किट हाउस में रूक कर अपरान्ह 3 बजे हरदा से हेलीकॉप्टर द्वारा गुना के लिये प्रस्थान करेंगे। ...

शहीद किसान स्तंभ पर 13 दिनों से जारी जिला बनाओ आंदोलन

युवाओं ने किया सुंदर कांड पाठ, कल से शुरू होगी अनशिचतकालीन भूख हड़ताल

मुलताई, देशबन्धु। नगर में बस स्टैंड पर स्थित शहीद किसान स्तंभ पर विगत 13 दिनों से लगातार मुलताई को जिला बनाओ आंदोलन चल रहा है। जिसमें धीरे-धीरे अब भारी जन समर्थन मिलता जा रहा है। अब यह जन आंदोलन बन चुका है। अब तक सैकड़ो सामाजिक, धार्मिक और राजनैतिक संगठनों द्वारा जिला बनाए जाने की मांग की जा चुकी है। विधायक एवम् पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे, पूर्व विधायक चंद्रशेखर देशमुख, डॉ सुनीलम, पूर्व राज्य मंत्री हेमंत देशमुख, नपा अध्यक्ष नीतू परमार सहित अधिवक्ता संघ, किसान संघर्ष समिति, भाकपा आदि अपना समर्थन दे चुके है। लगातार चरणबद्ध आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से किया जा रहा है। लेकिन शासन प्रशासन द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने से अब लोगो में धीरे धीरे आक्रोश भी पनपने लगा है। सभी की बस एक ही मांग है की चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले मुलताई के जिला बनने की घोषण हो जाए।

कल 15 सितंबर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से मोहनसिंह परिहार आमरण अनशन शुरू करने जा रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को एक पत्र भी

लिखा है और मांग की है कि जल्द से जल्द मुलताई को जिला घोषित किया जाए। अन्यथा उनके द्वारा अपनी अंतिम सांस तक भूख हड़ताल की जाएगी।मंगलवार रात जिला बनाओ आंदोलन के मंच पर युवाओं ने एकजुट होकर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। जिसमें दर्जनो युवा देर रात तक धरना स्थल पर बैठकर भक्ति भाव के साथ आंदोलन के समर्थन में संगीतमय सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करते रहे।

पेंशनर संघ, रघुवंशी समाज एवं कुंबी समाज महिला संगठन ने दिया समर्थन: 13 दिन से अनवरत जारी जिला बनाओ आंदोलन में लगातार विभिन्न संगठनों का समर्थन मिलते जा रहा है। बुधवार पेंशनर संघ, रघुवंशी समाज संगठन एवं कुनबी समाज महिला संगठन के सैकड़ों लोगों ने मंच पर पहुंचकर अपना समर्थन जाहिर किया।

मुलताई के इतिहास में पहली बार आयोजित हुई स्केटिंग प्रतियोगिता

मुलताई, देशबन्धु। नगर के इतिहास में बुधवार पहली बार खेल क्षेत्र में स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 70 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। जिसमें 14, 17 और 19 आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं शामिल रहे। यूं तो मुलताई के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में मुलताई का नाम देश, प्रदेश में पहले ही रोशन कर चुके हैं और लगातार खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते आ रहे हैं।

अब बैतूल जिले में मात्र जिला मुख्यालय के अतिरिक्त मुलताई में भी खिलाड़ियों को स्केटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिल सकेगा। मुलताई के स्पोर्ट टीचर महेश खत्री ने बताया कि वीआईपी स्कूल की स्केटिंग कोच और स्पोर्ट टीचर दीपमाला शिवहरे के मार्गदर्शन में स्कूली बच्चों को इस सत्र में स्केटिंग सिखाई जा रही है। जिसके तहत

बुधवार शालेय स्तरीय विकासखंड स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 70 बच्चों ने भाग लिया

और मुलताई के इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाया। यह 70 छात्र छात्राएं मुलताई के इतिहास में पहले ऐसे छात्र-छात्राएं कहलाए जाएंगे जिन्होंने मुलताई में पहली बार स्केटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। स्केटिंग कोच दीपमाला ने बताया की विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे के प्रयासों से उनके स्कूल में स्केटिंग ग्राउंड बनाया जा सका, जिस पर छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण देना संभव हो पाया और आज प्रतियोगिता भी संपन्न हुई। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य रूप से खेल प्रशिक्षक तुषार उदासी मौजूद रहे।

सीताकामथ में कल होगी जिला स्तरीय दंगल प्रतिस्पर्धा

▸ **मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे रहेंगे उपस्थित**

सारनी, देशबन्धु। शुक्रवार को जिला स्तरीय कुश्ती प्रतिस्पर्धा का आयोजन सीताकामथ के मंडा वाले बाबा के पास आयोजित होगा। इस स्पर्धा में में मुख्य अतिथि के रूप में आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम के अध्यक्ष भगवानदिन कापसे ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी इस दंगल प्रतिस्पर्धा को जिला स्तर पर बेहतर बनाने का प्रयत्न किया जाएगा।

आयोजक समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस दंगल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार के रूप मे प्रथम पुरस्कार के रूप में 5100 रुपए,द्वितीय पुरस्कार 4100 रुपये,तृतीय पुरस्कार 3100 रुपये,चतुर्थ पुरस्कार 2100 समिति द्वारा दिया जाएगा और पंचम पुरस्कार 1100 रुपये प्रतियोगिता में सम्मिलित खिलाड़ियों को दिया जाएगा। मुख्यअतिथि आमला विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे,जिला पंचायत सदस्य संगीता श्यामू परते,जनपद पंचायत सदस्य प्रमिला मूलचंद वर्मा और ग्राम पंचायत सरपंच सम्मी मंतू सलाम मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम समिति की ओर से मुख्य रूप से भगवानदीन कापसे,उपाध्यक्ष छन्नू सलाम, भुरेलाल वर्मा, कोषाध्यक्ष गणेश नागले, फूलचंद सलाम,सचिन आसाराम वर्मा,बजीलाल रावते, सहायक सचिव मूलचंद वर्मा, धीरज चौरे कार्यक्रम का संचालन सोहनलाल सलाम एवं वीरेंद्र मालवीय द्वारा किया जाएगा।

गांजे के साथ युवक को किया गिरफ्तार

बैतूल, देशबन्धु। जिले में मादक पदार्थ गांजे की बिक्री को लेकर एस पी सिद्धार्थ चौधरी के निर्देश एवं एएसपी नीरज सोनी के मार्गदर्शन में निरंतर कार्रवाई की जा रही है। ताजा मामले में कोतवाली पुलिस ने एक युवक को गांजे के साथ पकड़ा है। वह किसी अन्य व्यक्ति को गांजे की सप्लाई दिए जाने की फिराक में घूम रहा था।

थाना प्रभारी कोतवाली आशीष सिंह पवार ने बताया बीती रात एसडीओपी बैतूल एसपी सिंह को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम उमरवानी में एक युवक गांजा मादक पदार्थ सप्लाय का काम करता है। सूचना पर तत्काल ही कोतवाली की एक पुलिस टीम ने मुखबीर की मदद से सफेद रंग का प्लास्टिक का थैले में गांजा लिये खड़े आरोपी मिथुन यादव उम्र 27 साल निवासी उमरवानी को मय गांजा के धर दबोचा। उसके पास से मादक पदार्थ गांजा 1 किलो 250 ग्राम जप्त हुआ है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाइ में थाना कोतवाली के थाना प्रभारी निरीक्षक आशीष सिंह पवार, सउनि बी आर ब्रम्हलेने, सउनि राज पहाडे, सउनि पंचम सिंह, प्र आर. 203 विनय पांडे, प्रआर. 538 जाकिर खान, आर. 528 महेश नगदे की मुख्य भूमिका रही।

प्रमोशन मिल गया पर नहीं मिला प्रभार

बैतूल, देशबन्धु। वन विभाग में प्रमोशन की राह देख रहे नाकेदार और फारेस्टर प्रमोशन मिलने के बाद भी दुखी है उनकी पीड़ा है कि सरकार ने प्रमोट तो कर दिया लेकिन विभागीय अधिकारी प्रभार नही दिला पा रहे है। बैतूल वन वृत्त में एक माह पहले लगभग 75 नाकेदारों ओर फारेस्टर के कांधों पर स्टार लगाकर पदोन्नत किया गया लेकिन एक माह बाद भी उन्हें सर्किल का चार्ज नहीं दिए जाने से उनमें आक्रोश है। उत्पादन वन मंडल सुभाष चौधरी उत्पादन से दक्षिण वन मण्डल, बुद्धू ककोडिया उत्पादन से पश्चिम वन मण्डल, प्रेंम सिंह धुर्वे उत्पादन से पश्चिम वन मण्डल, राजेन्द्र साइचर उत्पादन से दक्षिण वन मण्डल,नीलेश राठौर उत्पादन से पश्चिम वन मण्डल,साहब लाल काकोडिया उत्पादन से दक्षिण वन मण्डल,राकेश कुमरे,महेश काकोडिया, हेमराज टेकाम,संतोष धुर्वे ,हरि परिहार,जय प्रकाश लेदे,प्रदीप पटने, प्रेम कुमार सिरसाम, शिव चरण बाथम ओर रत्नलाल मर्सकोले आदि को प्रमोशन मिला है। कर्मचारियों का कहना है कि अधिकारियों ने तमगा तो लगा दिया लेकिन सर्किल का चार्ज दिलवाने में अधिकारी रुचि नही ले रहे है। जबकि इधर गवासेन रेंज में पदस्थ डिप्टी वीरेंद्र सिंह ठाकुर जिन्हें रिटायरमेंट को महज दो माह रह गए ऐसे में उनपर काम का बोझ डाल दिया गया। ठाकुर के पास कुरसना,बाला डोंगरी,वन चौकी गवासेन के प्रभार के साथ साथ तेंदू पत्ता नोडल अधिकारी भी बना दिया गया।

प्लास्टर ऑफ पेरिस की जगह मिट्‌टी और गोबर से बनी प्रतिमाओं की बढ़ी मांग

जगह-जगह विराजने को तैयार श्रीगणेश

मुलताई, देशबन्धु। गणेश महोत्सव की तैयारियां पूर्ण होने को है, जगह-जगह गणेश प्रतिमाएं आकार ले रही है। इस वर्ष उल्लेखनीय पहलू यह है कि गणेश प्रतिमाओं के निर्माता भी पर्यावरण के प्रति जागरूक हुए हैं और प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं का निर्माण लगभग बंद हो गया है। मूर्तिकार महाराष्ट्र के काटोल, सावरगांव से मिट्टी बुलाकर गणेश प्रतिमाओं का निर्माण कर रहे हैं। ताप्ती तट पर स्थित दो पीढ़ियों से मूर्तियों का निर्माण कर रहे धनराज प्रजापति, गोवर्धन प्रजापति एवं गजानन प्रताप प्रजापति ने बताया कि पहले की तुलना में आम व्यक्ति और मूर्तिकार दोनों ही पर्यावरण के प्रति जागरूक हुए हैं। इसलिए अब प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां बनना लगभग बंद हो गया है। हालांकि परंपरागत मिट्टी, तनस, भूसा मिक्स कर प्रतिमाएं बनाने में अधिक खर्च आता है किंतु फिर भी हम प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाएं नहीं बनाते।

मटेरियल के बढ़े दामों के कारण महंगी होंगी मूर्तियां: मूर्तिकार बताते हैं कि

इस वर्ष महंगाई की मार मूर्ति निर्माण पर भी पड़ी है। मैटेरियल महंगा हो गया है, इसलिए बीते वर्ष जीस प्रतिमा निर्माण में 1 हजार रुपए खर्च आता था, इस वर्ष उसके निर्माण पर डेढ़ हजार रुपए खर्च आया है। पहले छिंदवाड़ा से मूर्ति बनाने के लिए खास किस्म की लाल मिट्टी जुन्नारदेव से लाई जाती थी, जो की 10 हजार रूपए प्रति ट्राली पड़ती थी। किंतु इस बार महाराष्ट्र के सावरगांव से मिट्टी लाई जा रही है जो कि लगभग 15 से 16 हजार रुपए ट्रॉली पड़ती है। आइल पेंट और वाटर पेंट के दामों में डबल की वृद्धि हुई है। इसलिए इस बार गणेश प्रतिमाएं महंगी बेचना पड़ेगा। अधिमास होने से सभी मूर्तिकारों ने एक माह में अधिक मूर्तियां बनाई है।

महिलाओं को दिया जा रहा गोबर की प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण: मुलताई क्षेत्र के साइखेड़ा खुर्द में मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत गोबर की गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। इन गणेश प्रतिमाओं को बनाने के लिए गोबर के साथ मिट्टी का भी उपयोग किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी और गोबर की गणेश प्रतिमाएं बनाई जा रही है। महिलाओं को इसका प्रशिक्षण देकर सैकड़ों की संख्या में गणेश प्रतिमा बनाकर इन्हें ग्रामीणों को प्रदान किया जाएगा। विसर्जन के दौरान मूर्तियां पानी में घुल जाएगी। समाजसेवी श्रीराम, दीपक नरवरे, नारायण सूर्यवंशी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए यह मुहीम चलाई जा रही है।

त्योहारों के चलते ताप्ती तट पर सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

मुलताई। मां ताप्ती की पवित्र नगरी मुलताई के पावन ताप्ती सरोवर में त्योहारों के चलते स्नान करने आने वाले भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए, बुधवार मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजकुमार इवनाती, नगर पालिका उपाध्यक्ष शिवकुमार माहोरे, सभापति सुरेश पौनिकर, पार्षद अजय यादव एवं कर्मचारी ताप्ती तट पर पहुंचे और सुरक्षा के इंतजाम का जायजा लिया। इस दौरान नगर वासियों द्वारा ताप्ती तट पर सुरक्षा के इंतजाम बढ़ाए जाने की मांग की गई। जिसको देखते हुए ताप्ती तट पर स्नान करने आने वाले लोगों की सुरक्षा हेतु स्थाई रूप से लोहे की जंजीरें लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह पर हो चुके गड्ढों को तत्काल भरने के लिए भी कहा गया।

सार समाचार

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व अंतर्गत निगरानी समिति की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम देशबन्धु। आयुक्त नर्मदापुरम संभाग डॉ पवन कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में फील्ड डायरेक्टर एसटीआर एल कृष्णमूर्ति, कलेक्टर नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह, कलेक्टर बैतूल अमनबीर सिंह बैंस सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें। कमिश्नर डॉ शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि ईको सेंसिटिव जोन की सीमांकन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराएं। ताकि ईको सेंसिटिव जोन में व्यवस्थित सीमा चिन्ह, मुनारे लगाए जा सके। उन्होंने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को इसके लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक इको सेंसिटिव जोन की सीमा में नए होटल, रिसॉर्ट, टावर, इको फ्रेंडली आवास निर्माण के लिए प्राप्त आवेदनों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं निर्णय लिए गए। बैठक में फील्ड डायरेक्टर कृष्णमूर्ति ने इको सेंसिटिव जोन के मास्टर पालन के तहत प्रतिबंधात्मक गतिविधियों और प्रमोटेड गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। साथ की माननीय उच्च न्यायालय के ईको सेंसिटिव जोन के संबंध में नवीन दिशा निर्देशों के बारे में भी जानकारी दी।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को 3 वर्ष का सश्रम कारावास

नर्मदापुरम देशबनधु। जिला अभियोजन अधिकारी ने बताया कि आरोपी हरिगोविंद कहार तीन महीने से नाबालिग अभियोक्त्री का पीछा करता था। उसने यह बात घर में चाचा और दादी को भी बतायी थी, इसके बाद 2 अप्रैल 2019 को रात में करीब 3 बजे अभियोक्त्री घर में सो रही थी, तभी आरोपी हरिगोविंद कहार का घर के अंदर घुस गया और पास आकर बुरी नियत से हाथ पकड़ लिया। अभियोक्त्री के चिल्लाने पर दादी और चाचा उठ गए, जिन्हें देखकर आरोपी हरिगोविंद वहाँ से भाग गया। जिसकी रिपोर्ट नाबालिग अभियोक्त्रि ने थाना पिपरिया में दर्ज करायी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर अपराध पंजीबध्द किया और संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया।

विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट, नर्मदापुरम के न्यायालय द्वारा आरोपी हरिगोविंद कहार को दोषसिद्ध पाते हुए, धारा 354 भादवि में 01 वर्ष एवं धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट में 03 वर्ष सश्रम कारावास एवं कुल 4000 रूपये अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक लखन सिंह भवेदी द्वारा की गई।

आंदोलन पर उतरी आम जनता

पिपरिया जिला बनाओ की मांग

पिपरिया देशबन्धु। तीन दशक पुरानी पिपरिया जिला बनाने की मांग एक बार फिर उभर कर सामने आ गई है। शहर वासियों ने इस बार लम्बी लड़ाई का मन बनाया है। इस अभियान में चरणबद्ध आंदोलन के साथ नागरिकों ने शासन और प्रशासन के कानों तक पिपरिया को जिला बनाने का शंखनाद किया है। चुनाव से पूर्व जिला नर्मदापुरम् की तहसील पिपरिया भी अब जिले का दर्जा पाने के लिए आवाज बुलंद कर रही है। हालांकि, पिपरिया वासियों की ये मांग आज की नहीं है, ये करीब 3 दशक पुरानी है। जिसे लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं तत्कालीन सरकारों ने गंभीरता नहीं दिखाई है। परिणाम स्वरूप अब आम जनता आंदोलन पर उतर आई है। गत दिवस पुरानी गल्ला मंडी में हनुमान मंदिर में उद्घोष के साथ पिपरिया जिला बनाओ समीति के सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि शहर सहित ग्राम के सभी मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ कर इस अभियान की शुरूआत कर दी है। अभियान को चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। पिपरिया को जिला बनाने की मांग को लेकर शासन और प्रशासन तक हम अपनी आवाज पहुंचाएंगे। बैठक में ज्ञापन, भूख हड़ताल, घर-घर पोस्टर अभियान के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं, संघ-संगठनों के सहयोग की भी चर्चा पर मुहर लगी। वहीं सदस्यों ने कहा कि पिपरिया जिला बनाओ अभियान पर एक गीत भी जल्द सुनने को मिलेगा। जिसमें शहर सहित आसपास के क्षेत्रों की उपलब्धि को शामिल किया है।

नाराज है नागरिक:-जिला बनाओ अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि दशकों पुरानी पिपरिया जिला बनाओ की मांग को मुख्यमंत्री जी नजरअंदाज कर रहे हैं, और ऐसे नए जिले की घोषणा कर रहे हैं जो पिपरिया से छोटे और असम्पन्न हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी खुद को अलग-थलग कर लिया है। लेकिन, आम जनता पिपरिया जिला बनाने को लेकर संघर्षरत रहेगी। साथ ही आगामी चुनाव परिणामों में उलटफेर भी करेगी।

जिला बना तो ये शहर होंगे शामिल

पिपरिया को जिला बनाया जाता है, तो इसमें पचमढ़ी, सोहागपुर, सेमरी हरचंद, शोभापुर, बनखेड़ी, सांडिया, मटकुली, झिरपा को शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा सालीचौका, देलाखारी और बरेली को भी शामिल कर चार तहसीलों का एक जिला बन सकता है। पिपरिया ब्लाक के लोगों को वर्तमान जिले तक पहुंचने के लिए 150- 175 किमी तक का सफर करना पड़ता है। पिपरिया जिला बनने से आम लोगों को राहत मिलेगी और समय, रूपये की बचत के साथ सुनवाई भी जल्द होगी।

जिला बनने के गुण

प्रदेश का हिल स्टेशन पचमढ़ी जिसका प्रवेशद्धार पिपरिया है। यहां वर्ष भर देश-विदेश के लाखों सैलानी आते हैं। नागद्वारी मेला, महाशिवरात्रि मेला और पचमढ़ी उत्सव यहां के प्रसिद्ध पर्व हैं। जिनकी व्यवस्थाओं के लिए नर्मदापुरम जिले का पूरा प्रशासन तैनात हो जाता है। पिपरिया का नवदुर्गा और दशहरा महोत्सव प्रदेश भर में अपनी छाप छोड़ता है। यहां 10 दिन के लिए बाहर से पुलिस फोर्स बुलाई जाती है। आयकर की दृष्टि से सबसे अधिक कर चुकाने वाली पिपरिया तहसील है। प्रदेश की ए क्लास मंडी शुमार पिपरिया की कृषि उपज मंडी है। गेंहू, चना, मूंग, धान यहां की फसलें हैं। पिपरिया की दाल तो देश-विदेश तक मशहूर है। स्टेशन ए क्लास जहां 90 से 100 ट्रेनों का स्टापेज है। पिपरिया के अलावा बनखेड़ी से भी पिपरिया जिला बनाओ के समर्थन की मांग उठने लगी है। ज्ञापन का सिलसिला पिपरिया और बनखेड़ी शुरू हो गया है।

जलस्तर बढ़ने से तवा बांध के 5 गेट खुले

इटारसी देशबन्धु। तवा बांध के पांच गेट खोल दिये गये हैं। बता दें कि बांध फुल हो गया है और अब भी बांध में लगातार पानी आ रहा है। आगामी दो दिन में हैवी रेनफाल की संभावना को देखते हुए बांध को थोड़ा खाली करने के लिए बांध के पांच गेट चार-चार फीट खोलकर 35520 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार आगामी दो दिनों में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं, ऐसे में बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। अत: उच्च स्तर पर निर्णय लेकर बांध के पांच गेट खोले गये हैं। सूत्र बताते हैं कि उधर जबलपुर क्षेत्र में भी बारिश तेज होने से बरगी के गेट खोले जा सकते हैं, ऐसे में नर्मदा क जलस्तर में भी बढ़ोतरी हो सकती है। जब तक बरगी के गेट खोले जाएंगे, तवा से काफी पानी निकालकर जलस्तर को मेंटेन किया जा सकेगा और दोनों बांध का पानी एकसाथ नर्मदा में नहीं पहुंचेगा।

तवा बांध लबालब

तवा बांध लवालब हो गया है। 30 सितंबर तक इसका निर्धारित जलस्तर 1166 फुट पानी का है, जो आज ही प्राप्त हो गया है। वैसे गवर्निंग लेबल की बात करें तो 15 सितंबर तक इसमें 1165 फुट जलस्तर होना चाहिए, लेकिन आज 13 सितंबर को ही यह सौ फीसद भर गया है। आज शाम को 4 बजे तवा बांध का जलस्तर 1166 फुट हो गया जो इसका अंतिम निर्धारित जलस्तर है। बांध से एचईजी पावर हाउस को भी 3600 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। एसडीओ एनके सूर्यवंशी के अनुसार अभी बांध का निर्धारित जलस्तर आ गया है, आगामी दो दिनों में हैवी रैन की संभावना को देखते हुए पांच गेट चार-चार फुट खोले गये हैं और पावर हाउस को पानी दिया जा रहा है।

वेतनमान में सुधार की मांग के साथ हड़ताल पर बैठे पटवारी

इटारसी देशबन्धु। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर तहसील डोलरिया के समस्त पटवारी अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं। आज हड़ताल का 17 वॉ दिन है। डोलरिया तहसील के समस्त 26 पटवारी टेंट लगाकर कलम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। पटवारियों की मांग वेतनमान को लेकर है। वर्ष 2008 से अभी तक किसी प्रकार का वेतन सुधार नहीं किया गया है। ग्रेड पे 2100 ही चल रहा है, वर्तमान में पटवारी की मांग है कि 2800 ग्रेड पर किया जाए। मांग को लेकर समस्त पटवारी हड़ताल पर बैठे हैं। शासन द्वारा मांगों का निराकरण नहीं किया जा रहा है। शासन की ओर से राजस्व मंत्री द्वारा पहल की गई किंतु के मांग के अनुरूप निराकरण न होने के कारण प्रथम पहल असफल रही है। पटवारी संघ का कहना है कि जब तक शासन हमारी मांग नहीं मानेंगे तब तक समस्त प्रदेश के पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे रहेंगे। पटवारियों के हड़ताल पर होने के कारण किसानों को बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल पर बैठे पटवारी तहसील अध्यक्ष सुमित वर्मा, वरिष्ठ संरक्षक केशरी सिंह चौहान, पटवारी जयराम बरखड़े, महेश बारके, हेमंत मिश्रा, पंकज चौधरी, नीलेश सैनी, संदीप मेहरा, संजय गौर, विजेंद्र पाल, राकेश वर्मा आदि पटवारी उपस्थित थे।

7 दिवासीय हाथी महोत्सव का हुआ शुभारंभ

नर्मदापुरम देशबनधु। मंगलवार को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के परिक्षेत्र चूरना में उपसंचालक एसटीआर संदीप फेलोज की उपस्थिति में हाथी महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अधीक्षक बोरी विनोद वर्मा, पशु चिकित्सक डॉ गुरुदत्त शर्मा, परिक्षेत्र अधिकारी चूरना आर बी पाठक, परिक्षेत्र अधिकारी बोरी नवल सिंह चौहान, परिक्षेत्र अधिकारी तवा बफर निशांत डोसी एवं स्टाफ मौजूद रहे।

महोत्सव में 8 हाथी उपस्थित है। सभी हाथियों को एक साथ रखा जाता है जिससे इनका आपसी तालमेल अच्छा बना रहे। यह महोत्सव 07 दिन तक चलता है। हाथी महोत्सव के दौरान हाथियों की सेवा का सिलसिला अलसुबह से ही शुरू हो जाता है। सुबह महावत हाथियों को नहलाते हैं और उनके नाखून काटकर उन्हें सजाया-संवारा जाता है। तेल से मालिश के बाद विशेषज्ञों व चिकित्सक हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हैं। इसके बाद उनका प्रिय भोजन और फल खिलाए जाते हैं। आम तौर पर हाथियों को दिए जाने वाला भोजन निर्धारित है, लेकिन महोत्सव के दौरान उन्हें भरपेट भोजन कराया जाता है।

ओलंपियाड में स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों का श्रेष्ठ बौद्धिक प्रदर्शन

इटारसी देशबन्धु। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन एक ऐसा शैक्षिक फाउंडेशन है जो विभिन्न ओलिंपियाड के माध्यम से भारत को और कई देशों में स्कूली बच्चों के बीच विज्ञान, गणित, सामान्य ज्ञान, कंप्यूटर शिक्षा और अंग्रेजी भाषा कौशल को बढ़ावा देता है, जिसमें स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने द्वितीय लेवल पर विभिन्न उपलब्धियां प्राप्त कीं जिसमें सेजल गुप्ता को जीके ओलिंपियाड के द्वितीय लेवल में ब्रोंज मेडल व सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस और ? 1000 की राशि प्राप्त हुई। परी कावरे, प्रणद कावरे, गजल गौर व सेजल गुप्ता को विभिन्न विषयों में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्राप्त हुए। इस सफलता पर स्कूल प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह की तार्किक व बौद्धिक योग्यता पर आधारित परीक्षाओं से बच्चे आगे की पढ़ाई की रणनीति और विषयों को निर्धारित करने में परिपक्व होते हैं।

नए एफओबी पर 2 बदमाशों ने यात्री को लूटा, जांघ पर चाकू मारा

इटारसी देशबन्धु। रेलवे जंक्शन के नए फुट ओवर ब्रिज पर दो बदमाशों ने दिन दहाड़े एक यात्री के साथ अड़ीबाजी करते हुए जांघ पर चाकू मारकर उसका पर्स छीन लिया। चाकू लगने से घायल यात्री के जेब से पर्स निकालकर बदमाश भाग खड़े हुए। घटना दोपहर लगभग दो बजे की बताई जा रही है। वहीं जंक्शन पर सुरक्षा के मद्देनजर लगाए गए अधिकांश कैमरे भी खराब हैं।आज बुधवार को दोपहर लगभग 2 बजे गाडरवारा निवासी मुरारी ठाकुर नामक यात्री जब नए फुट ओवर ब्रिज से गुजर रहा था, उसी दौरान पहले से मौजूद दो बदमाशों ने उसे रोका। इसके बाद चाकू निकालकर उसे धमकाते हुए उससे रुपए मांगे, जब यात्री ने उन्हें रुपए देने से इनकार किया तो बदमाशों ने उसकी जांघ पर चाकू मारकर घायल कर दिया। चाकू लगने के बाद घायल की जेब से पर्स निकालकर दोनों बदमाश भाग खड़े हुए। घायल यात्री के पर्स में पांच सौ रुपए रखे थे। यात्री के अनुसार उसे गाडरवारा से इंदौर जाना था। इंदौर के लिए सीधी ट्रेन नहीं मिलने के कारण वह प्रयागराज एक्सप्रेस से इटारसी तक आया था। लेकिन उस दौरान इटारसी से इंदौर के लिए ट्रेन नहीं होने के कारण वह खाना खाने के लिए बाहर आ रहा था। उसी दौरान बदमाशों ने उसके साथ लूटपाट कर जांघ में चाकू मार दिया, जिसकी शिकायत घायल ने जीआरपी थाने में की है। जीआरपी ने शासकीय अस्पताल में घायल यात्री का उपचार कराया। बता दें कि फुट ओवर ब्रिज पर चाकूबाजी की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके तीन माह पहले भी पुराने फुट ओवर ब्रिज पर भी चाकूबाजी और लूटपाट की वारदात हो चुकी है।

इटारसी देशबन्धु। आज डिफेंस सिविलियन एम्प्लाइज पेंशनर्स एसोसिएशन और रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन ने सामूहिक रूप से जिला इंटक नर्मदा पुरम के नेतृत्व में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम ज्ञापन स्टेशन प्रबंधक इटारसी के माध्यम से दिया। ज्ञापन में कोरोना महामारी के बाद से रेल में सीनियर सिटीजन की बंद की गई रेल यात्री किराए में छूट को पुन: यथावत रखते हुए प्रारंभ करने की मांग की गई। कोरोना महामारी के पूर्व पुरुष एवं महिलाओं को क्रमश: 60 वर्ष के बाद 40 परसेंट एवं 58 वर्ष के बाद 50 परसेंट रेल किराए में छूट प्रदान की जाती थी। जनहित के इस ज्ञापन को देने के लिए भारी मात्रा में आयुध निर्माणी पेंशनर्स, रेलवे पेंशनर्स एवं दोनों विभाग के कर्मचारी साथी, मध्य प्रदेश इंटक के सचिव एन एस चौहान एवं जिला इंटक के अध्यक्ष हाजी शेख रमजान के साथ सम्मिलित हुए।

भाजयुमों की इटारसी नगर कार्यकारिणी की घोषणा

इटारसी देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दीपक महालहा ने भाजपा मण्डल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह की अनुशंसा से भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल इटारसी के पदाधिकारियों एवं कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की है। संगठन में सात उपाध्यक्ष, एक महामंत्री, सात मंत्री, एक कार्यालय मंत्री एवं दो सह कार्यालय मंत्री, एक कोषाध्यक्ष दो सह कोषाध्यक्ष सहित मीडिया प्रभारी, सह मीडिया प्रभारी, सोशल मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी, आईटी सेल, नीति शोधक सहित 21 कार्यकारिणी सदस्य बनाये हैं।

उपाध्यक्ष पद पर प्रिंस सलूजा, आशीष अग्निहोत्री, रजनीकांत अग्रवाल, अमन अग्रवाल, आदित्य खंडेलवाल, रोहित बैसकर और रूद्रांश ठाकुर, महामंत्री शुभम ठाकुर, मंत्री लोकेश मालवीय, मोहित ठाकुर, पवन उसरेटे, श्रेयांक तिवारी, मयंक सिंह तोमर, अनिमेष शुक्ला और अमित भाट, कार्यालय मंत्री वीरू बाथरी, सह कार्यालय मंत्री अमन लालवानी, आर्यन पटेल, कोषाध्यक्ष सचिव यादव, सह कोषाध्यक्ष शहवाज बेग, ऋषभ चौहान, मीडिया प्रभारी घनश्याम तिवारी, सह प्रभारी सूरज यादव, सोशल मीडिया प्रभारी शिव प्रताप भदौरिया, सह प्रभारी अमित सोनी, आईटी सेल संयोजक नारायण चौरसिया, सह संयोजक तुषार केशवानी, सृजन यादव, नीति शोध सम्राट सिंह, सह प्रभारी कृष्णा प्रजापति, रोहित चौरसिया मनोनीत किये गये हैं।

यात्री सुरक्षा के लिए रेल सुरक्षा बल भोपाल मंडल के कार्यों की सराहना

इटारसी देशबन्धु। रेलवे सुरक्षा बल को रेलवे संपत्ति, यात्रियों और उनसे जुड़े मामलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में अन्य जिम्मेदारियां सौंपी गई है, जिसे रेल सुरक्षा बल भोपाल मंडल द्वारा सफल अंजाम दिया जा रहा है। आरपीएफ के इन कार्यों की भोपाल तक सराहना की जा रही है। मंगलवार 12 सितंबर 2023 को एक यात्री को चलती ट्रेन में चढ़ते वक्त दुर्घटना का शिकार होने पर बचाने की घटना को भोपाल से सराहना मिली। इसके अलावा एक गुमशुदा बुजुर्ग को भी इटारसी आरपीएफ ने उसके परिजनों तक पहुंचाया है। बताया गया है कि 11 सितंबर 23 को इटारसी पोस्ट में एमएस भोपाल से बुजुर्ग की फोटो सहित गुम होने की प्राप्त हुई थी, जिसपर सीसीटीवी के माध्यम से सर्च किये जा रहे होने के दौरान एक युवक कृष्णकांत उम्र 35 वर्ष, शंकर नगर, किशोर नगर खंडवा पोस्ट पर आए और बुजुर्ग यात्री को जो गुम गए हैं, को अपना नाना बताया और साथ में सीसीटीवी से स्टेशन पर सर्च करने का अनुरोध किया। जिस पर उनके साथ सीसीटीवी से सर्च किया तथा उस युवक के बताए अनुसार बुजुर्ग प्लेटफार्म नंबर 03 टहलते दिखे, जिन्हें वाकी टॉकी से उस प्लेटफार्म पर तैनात स्टॉफ को सूचित कर बुजुर्ग व्यक्ति को ससम्मान रेल सुरक्षा बल थाना लाया गया। उस युवक ने उन्हें अपना नाना और नाम पता बलराम पिता टेकचंद उम्र 74 वर्ष, ग्राम जमाई जिला छिंदवाड़ा मप्र का होना बताया। जिसकी पुष्टि कर 12 सितंबर 23 को जुन्नरदेव थाना में गुमशुदगी दर्ज होने के कारण सूचित कर उस युवक के सुपुर्द किया।

इसी तरह 12 सितंबर को शाम साढ़े चार बजे गाड़ी संख्या 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस इटारसी स्टेशन पर ठहराव पश्चात समय 16.40 बजे रवाना होते समय कोच नम्बर-एस 3 के बुजुर्ग यात्री कोच में चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से गिरकर प्लेटफार्म से ट्रैक की तरफ ट्रेन के नीचे जाने लगे, जिस पर अपराध की रोकथाम पर तैनात रेल सुरक्षा बल स्टाफ आरक्षक अमित बॉमने व सहायक उप निरीक्षक अरबिंद गौतम ने अपनी जान की परवाह किए बिना उन बुजुर्ग यात्री को खींचकर उनकी जान बचाई और तुरंत घायल यात्री को एम्बुलेंस बुलाकर शासकीय अस्पताल इटारसी में उपचार हेतु भर्ती कराया गया, उक्त बुजुर्ग यात्री को बचाने के दौरान आरक्षक श्री अमित बामने व सहायक उप निरीक्षक को भी मामूली चोटें आईं जिन्हें प्राथमिक उपचार दिलाया गया।

एमजीएम कालेज में युवा उत्सव 14 -15 को

इटारसी देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 14 एवं 15 सितंबर 2023 तक दो दिवसीय महाविद्यालय स्तर युवा उत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लें।

प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध कराती हैं। जिससे प्रतिभा का प्रदर्शन हो सके। प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य होती है, चाहे वह प्रतिभा रूपांकन की हो, चाहे वह साहित्यिक संगीतिक। महाविद्यालय स्तर पर वाद विवाद क्ले मॉडलिंग, कोलाज, एकल नृत्य शास्त्री, समूह नृत्य, लोक नृत्य, स्थल चित्रण, पोस्ट निर्माण, कार्टून निर्माण, शास्त्रीय गायन, सुगम एवं पाश्चात्य, एकांकी, मिमिक्री, स्क्रिप्ट, प्रश्न मंच, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं युवा उत्सव प्रभारी डॉक्टर संतोष अहिरवार ने विद्यार्थियों को और महाविद्यालय के स्टाफ को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

इटारसी इंजीनियर एसोसिएशन 15 को मनायेगा इंजीनियर डे

इटारसी देशबन्धु। भारत रत्न मोक्षगुण्डम विश्वेश्वैरया का जन्मदिन इंजीनियर डे के तौर पर 15 सितंबर को मनाया जाएगा। इस दिन इटारसी में इंजीनियर्स का एक कार्यक्रम प्लेटिनम रिसोर्ट में होगा। इटारसी इंजीनियर एसोसिएशन की ओर से बताया गया है कि 15 सितंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे इंजीनियर डे का कार्यक्रम प्लैटिनम रिसोर्ट में विधायक व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में व नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा, अल्ट्राटेक कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों एवं इटारसी इंजीनियर एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत वर्मा के विशेष आतिथ्य में मनाया जायेगा।

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS | G20 | MPIDC

आभार प्रधानमंत्री जी

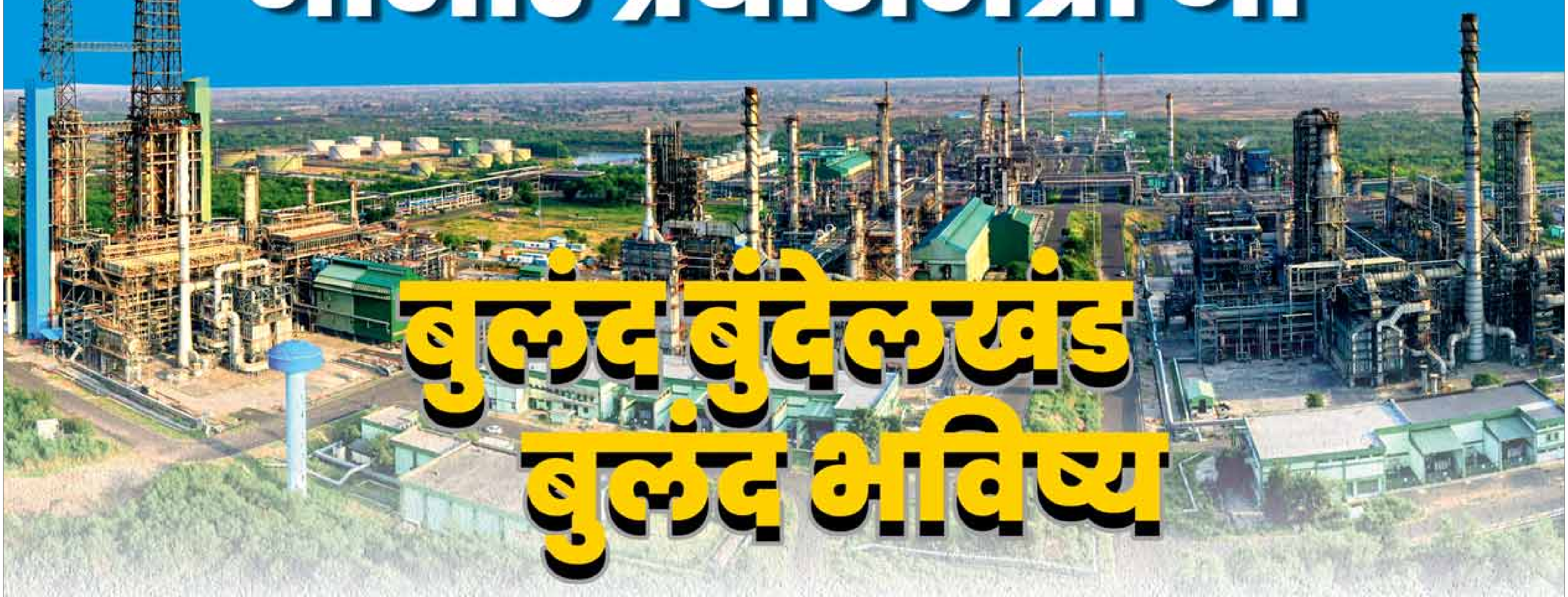

₹ 49 हजार करोड़
के बीना रिफाइनरी
पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स
एवं
₹ 1800 करोड़
की औद्योगिक परियोजनाओं
का
शिलान्यास

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के कर-कमलों द्वारा

14 सितम्बर, 2023 I प्रात 11:00 बजे
बीना रिफाइनरी परिसर, हड़कल
सागर, मध्यप्रदेश

पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की मुख्य विशेषताएं
- प्रतिवर्ष 2,200 किलो टन विभिन्न प्रकार के पेट्रोकेमिकल्स का उत्पादन
- 1 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार के अवसर
- फाइबर, पेंट्स, प्लास्टिक, ऑटोमोटिव पार्ट्स जैसे उद्योगों में बढ़ोतरी
- प्रतिवर्ष लगभग ₹ 20,000 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत

अन्य औद्योगिक परियोजनाओं के लाभ
- ₹1 लाख करोड़ का निवेश
- लगभग 2.36 लाख रोज़गारों का सृजन
- नये आईटी पार्क्स, आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों का तेज विकास
- वस्त्र, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स इकाइयों के लिए नये अवसर

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस निधि मध्यप्रदेश में दान दें

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

QR CODE

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
मध्यप्रदेश शासन
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023
D-11101/23

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।